▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 340 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 10-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

RERA REG. NO.: RAJ/P/2026/5154
www.rera.rajasthan.gov.in

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

बिंदायका, सिरसी रोड,
वैशाली नगर विस्तार, जयपुर

आवेदन की अंतिम तिथि
14 जुलाई 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
2 BHK फ्लैट	₹96,000	₹42.0 लाख*
1 RK फ्लैट	₹66,000	₹22.0 लाख*

V PARK

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए **1 लाख रुपये** तक की विशेष छूट*

मुख्यमंत्री जन आवास योजना – 3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत आवासीय योजना

विकासकर्ता:
JPRPARK
INFRA LLP

9785 701 701
9785 401 401

आवेदन हेतु SCAN करें
www.vparkcmjay.in

*Terms & Conditions Apply

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे : गडकरी ने मप्र के 245 किलोमीटर लंबे हिस्से का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के मध्यप्रदेश के करीब 245 किलोमीटर लंबे हिस्से का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सड़क सुरक्षा तथा अन्य मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कुल 1,350 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का करीब 245 किलोमीटर का हिस्सा मध्यप्रदेश के मंदसौर, रतलाम और झाबुआ जिलों से होकर गुजरता है। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी एनएल येवतकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया,''मध्यप्रदेश में एक्सप्रेसवे के सभी नौ पैकेज (खंड) का काम पहले ही पूरा हो चुका है। निरीक्षण के दौरान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने स्वयं हर पहलू का जायजा लिया और अधिकारियों से चर्चा करके वस्तुस्थिति समझी।''

उन्होंने कहा कि गडकरी ने निरीक्षण के दौरान आठ लेन वाले एक्सप्रेसवे की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया और इसके साथ ही अधिकारियों को सड़क सुरक्षा, रख-रखाव और अन्य मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि गडकरी का काफिला झाबुआ जिले में एक्सप्रेसवे के निरीक्षण के बाद इस मार्ग के जरिये गुजरात में दाखिल हो गया। अधिकारियों के मुताबिक एक्सप्रेसवे के पूरी तरह शुरू होने पर सड़क मार्ग के जरिये दिल्ली से मुंबई की दूरी मौजूदा 24 घंटे के मुकाबले महज 12 घंटे में तय की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि आठ लेन वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर 120 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम रफ्तार से वाहन दौड़ाए जा सकेंगे।

2028 ओलंपिक के लिए चयन और क्वालीफिकेशन नीति 15 जुलाई तक जारी हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अगले दशक में भारत को खेलों की दुनिया में एक बड़ी ताकत बनाने के मकसद से खेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को ओलंपिक खेलों से जुड़े सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को निर्देश दिया कि वे 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए अपने क्वालीफिकेशन और चयन मानदंड को 15 जुलाई तक अंतिम रूप देकर सार्वजनिक करें।

मंत्रालय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों की चयन की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है, ताकि ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का तरीका, चयन मानदंड और पूरी चयन प्रक्रिया पहले से स्पष्ट हो तथा सभी हितधारकों को समय रहते जानकारी मिल सके।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेल, पैरा एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए चयन नीति और मानदंड संबंधित एनएसएफ की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रतियोगिता शुरू होने से कम-से-कम दो वर्ष पहले अपलोड किए जाने चाहिए। मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया कि सभी राष्ट्रीय खेल महासंघ चयन और क्वालीफिकेशन नीति अपनी संबद्ध राज्य इकाईयों तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के साथ भी साझा करें। लॉस एंजिलिस ओलंपिक का आयोजन 14 से 30 जुलाई 2028 तक होगा।

उत्तराखंड के सात जिलों में बहुत भारी बारिश का 'रेड अलर्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के अधिकतर क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों से लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया और पर्वतीय इलाकों में भूस्खलन के कारण सौ से अधिक मार्ग अवरूद्ध हो गए। वहीं, मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को देहरादून सहित सात जिलों में बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट' तथा शेष जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन को सतर्क रहने और एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि बारिश के कारण देहरादून समेत चार जिलों में कक्षा एक से 12वीं तक के स्कूल बंद रहे। उत्तराखंड में गढ़वाल और कुमांउ दोनों क्षेत्रों में कई स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गयी। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, लगातार बारिश के कारण कई पर्वतीय इलाकों में भूस्खलन होने और बड़ी चट्टानें गिरने के कारण प्रदेश में नौ राज्यमार्गों और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की एक सड़क समेत 107 मार्गों पर यातायात बाधित हो गया। मार्गों को खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। एसईओसी से मिली जानकारी के अनुसार, टिहरी जिले के कद्दूखाल में बुधवार शाम एक पर्वतीय क्षेत्र में हुए भूस्खलन की चपेट में आकर एक पुरानी खाली मकान क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, प्रशासन ने घटना से पहले ही संभावित खतरे की जद में आ रहे दो रेस्टोरेंट और कुछ झुग्गियों को एहतियातन खाली करा लिया था। बारिश के कारण गंगा, यमुना और उसकी सहायक नदियां भी उफान पर हैं और कई स्थानों पर उनका जलस्तर बढ़ रहा है।

हीराकुड बांध से बाढ़ का पानी छोड़ा गया, नदी मार्ग के जिले अलर्ट पर

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के संबलपुर जिले में हीराकुड बांध प्रशासन ने महानदी नदी के मार्ग में पड़ने वाले जिलों को अलर्ट करने के बाद बृहस्पतिवार को इस मौसम में पहली बार बाढ़ का पानी छोड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा मौजूद थीं। जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता दिलीप कुमार ने बताया कि पूर्वाह्न करीब 11 बजे बांध के 67 में से कुल चार गेट खोले गए और 64,000 क्यूसेक पानी नीचे की ओर बह रहा है।

कडप्पा में कोविड-19 से एक व्यक्ति की मौत

कडप्पा/भाषा। आंध्र प्रदेश के कडप्पा में एंटीबायोटिक दवाओं से चार दिन तक इलाज के बाद भी हालत में सुधार नहीं होने के बाद कोविड-19 से पीड़ित 46 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कडप्पा के जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रवि बाबू ने बताया कि व्यक्ति शराब का आदी था और उसे सांस लेने में गंभीर तकलीफ तथा खांसी होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बाबू ने कहा, कडप्पा के मसापेटा इलाके के 46 वर्षीय व्यक्ति की कोविड-19 से मौत हो गई। वह शराब का आदी था। उसे सांस लेने में गंभीर दिक्कत और खांसी थी। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि एक्स-रे जांच में पता चला कि व्यक्ति के दोनों फेफड़े पूरी तरह खराब हो चुके थे, जिसकी वजह से उसे निमोनिया हो गया था। चार दिन तक अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक दवाएं देने के बाद भी बीमारी दूर नहीं हुई, जिसके बाद चिकित्सकों को कोरोना वायरस संक्रमण का संदेह हुआ।

रमेश चेन्निथला के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट के आरोप में आरएसएस कार्यकर्ता पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा/भाषा। तिरुवनंतपुरम में भाजपा पार्षद की गिरफ्तारी से जुड़े एक वीडियो के संबंध में सोशल मीडिया पर केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के आरोप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

हरिपद पुलिस ने चार जुलाई को अलप्पुझा जिले के मन्नारासला निवासी अनिल कुमार के ख़िलाफ़ खुद से मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा पार्षद सुगाथन की गिरफ्तारी से जुड़े एक समाचार वीडियो के 'कमेंट सेक्शन' में संबंधित टिप्पणी की थी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने चेन्निथला की एक तस्वीर किसी और व्यक्ति के साथ साझा की और झूठा दावा किया कि वह किशोर नामक व्यक्ति है, जो कई आपराधिक मामलों में वांछित और फरार है। उन्होंने कहा कि पोस्ट में आरोपी ने कथित तौर पर दावा किया कि मंत्री और पुलिस किशोर को गिरफ्तार करने में नाकाम रहे। पुलिस के अनुसार, 2023 में ली गई यह तस्वीर चेन्निथला और पुलिस को बदनाम करने के मकसद से सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई। केरल पुलिस के 'साइबरडोम' ने इस पोस्ट का पता लगाया और फिर हरिपद पुलिस को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

राममंदिर चढ़ावा मामला

कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर नागपुर में किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गबन की ''स्वतंत्र और निष्पक्ष'' जांच की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के नागपुर शहर में प्रदर्शन किया।

कांग्रेस की शहर इकाई के अध्यक्ष प्रफुल्ल गुडधे के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने यहां पोद्दारेश्वर राम मंदिर परिसर में सफेद गांधी टोपी तथा पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न वाले दुपट्टे पहनकर 'रघुपति राघव राजाराम सत्याग्रह' किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करने के बजाय भजन गाए। इस अवसर पर गुडधे ने कहा कि सार्वजनिक धार्मिक संस्थानों के वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, श्रद्धालुओं की आस्था बनाए रखने के लिए इस मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के बाद कांग्रेस श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराएगी।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से मूकदर्शक बने रहने के बजाय जनता के सामने तथ्य रखने की मांग की और चेतावनी दी कि आस्था के नाम पर किसी भी तरह के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीबीआई ने महादेव सट्टेबाजी एप मामले में छह आरोपपत्र दाखिल किए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 6,000 करोड़ रुपये के महादेव सट्टेबाजी एप और इससे जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में छह आरोपपत्र दाखिल किए हैं जिसमें कथित मास्टरमाइंड और एप के संस्थापक सौरभ चंद्राकर, सह-संस्थापक रवि उप्पल समेत कई अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, ये आरोपपत्र ऐसे समय में दाखिल किए गए हैं जब भारत ओमान से चंद्राकर के प्रत्यर्पण के प्रयास कर रहा है। चंद्राकर को पिछले महीने ओमान में हिरासत में लिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को सीबीआई ने 66 आरोपियों के खिलाफ पांच आरोपपत्र दाखिल किए जिनमें चंद्राकर, उप्पल और सेट्टेबाजी सिंडिकेट के वे सदस्य शामिल हैं, जिनके जरिए अपराध से अर्जित धन को कथित रूप से आगे पहुंचाया गया।

इन पांच अरोपपत्र में सीबीआई ने भारतीय दंड संहिता और छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धाराएं लगाई हैं। सीबीआई ने सट्टेबाजी सिंडिकेट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में छठा आरोपपत्र दाखिल किया जिसमें असीम दास, रोहित गुलाटी, विकास छपारिया, अनिल धाममानी, विशाल आहूजा और धीरज आहूजा को आरोपी बनाया गया है।

विजयन ने वायनाड सुरंग की मंजूरी पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पिनराई विजयन ने बृहस्पतिवार को वायनाड सुरंग मार्ग परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी के बारे में मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन की टिप्पणियों को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि सरकार हाल ही में हुए भूस्खलन की आपदा से निपटने में अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित इलाके का दौरा करने के बाद विजयन ने पत्रकारों से कहा कि अनाक्कोम्पोयिल-मेप्पाडी सुरंग परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी एक पारदर्शी और कानूनी रूप से सही प्रक्रिया के ज़रिए ली गई थी, न कि किसी 'हेरफेर'' से, जैसा कि मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा, सबकुछ पारदर्शिता के साथ किया गया।'' अधिकारियों ने बताया कि वायनाड भूस्खलन के बाद बृहस्पतिवार को घटनास्थल से तीन और शव मिलने से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है।

विजयन ने कहा कि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन 2023 में तय प्रक्रिया के तहत पूरा किया गया और इसके बाद परियोजना को राज्य तथा केंद्र, दोनों सरकारों से स्वीकृति मिली थी। विजयन ने राज्य के मंत्रियों पर ज़िम्मेदारी से बचने के लिए ''दोष दूसरों पर मढ़ने की कोशिश'' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की नाकामियों को छिपाने के लिए जान-बूझकर विवाद खड़ा किया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने आपदा की तैयारी में गंभीर खामियों का आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में भारी बारिश हुई, लेकिन पर्याप्त एहतियाती उपाय नहीं किए गए।

उन्होंने सवाल किया कि पहले से कोई प्रभावी चेतावनी क्यों नहीं दी गई। विजयन ने आरोप लगाया कि भूस्खलन से पहले केवल 'येलो अलर्ट' जारी किया गया। मीडिया में आईं खबरों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि आपदा आने के बाद ही 'रेड अलर्ट' जारी किया गया।

कोझिकोड रेलवे स्टेशन का 100 साल से अधिक पुराना घंटाघर ढहा, कोई हताहत नहीं

कोझिकोड/भाषा। कोझिकोड रेलवे स्टेशन पर स्थित 100 साल से अधिक पुराना घंटाघर बृहस्पतिवार सुबह अचानक ढह गया। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी।

घटना के बाद टीवी चैनलों पर प्रसारित घंटाघर के दृश्यों के अनुसार, इमारत के ऊर्ध्वाधर (खड़े) हिस्से का आधे से अधिक भाग ढहकर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर गिर गया। घटना के समय कोई यात्री मौजूद नहीं था। कोझिकोड रेलवे पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि 20-25 मीटर ऊंची इमारत को खराब स्थिति के कारण गिराने के लिए चिह्नित किया गया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) विधायक पी ए मोहम्मद रियास ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इमारत के आसपास चेतावनी संकेत और अवरोधक लगाए जाने चाहिए थे। उन्होंने केरल के अन्य रेलवे स्टेशनों पर मौजूद ऐसी सभी पुरानी संरचनाओं का सुरक्षा ऑडिट कराने की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों की ओर से गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाया गया और इससे बड़ी दुर्घटना भी हो सकती थी, क्योंकि यहां से हजारों यात्री रोजाना आते-जाते हैं। अगर पहले ही दरारें दिखाई दे गई थीं तो अधिकारियों को जनता को इसके खतरे के बारे में जानकारी देनी चाहिए थी और सतर्क रहने की सलाह देनी चाहिए थी। दूसरा, वहां अवरोधक लगाए जाने चाहिए थे। विधायक ने कहा, इसके अलावा, यात्रियों को उस जगह से दूर करने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जानी चाहिए थी। ऐसी घटना कभी नहीं होनी चाहिए थी। यह सौभाग्य की बात है कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

मारुति सुजुकी चालू वित्त वर्ष में करीब 500 नए सर्विस 'टचपॉइंट' खोलेगी : सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की अग्रणी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष में देशभर में करीब 500 नए सर्विस पॉइंट खोलने की योजना बनाई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत में अपना 6,000वां सर्विस टचपॉइंट बृहस्पतिवार को शुरू करने वाली इस कंपनी ने 2025-26 में रिकॉर्ड 502 सर्विस टचपॉइंट खोले थे और एक ही वित्त वर्ष में 2.84 करोड़ से अधिक वाहनों को सेवाएं दीं, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। ताकेउची ने कहा कि डीलर साझेदारों और सर्विस टीम के साथ मिलकर कंपनी ने वर्कशॉप के संचालन को तेज किया है तथा करीब दो वर्षों में 1,000 नए सर्विस टचपॉइंट स्थापित किए हैं।

कंपनी के कुल सर्विस टचपॉइंट की संख्या 2024 में 5,000 थी, जो 2021 में 4,000 थी। सीईओ ने कहा, ''आगे भी हम अपनी सेवा उपस्थिति को मजबूत करते रहेंगे और 2026-27 में देशभर में लगभग 500 सर्विस टचपॉइंट स्थापित करने की योजना है।''

सेनाध्यक्ष ने जम्मू कश्मीर के पुंछ में अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी एवं पुंछ जिलों में अग्रिम इलाकों का दौरा किया और क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति, अभियानगत तैयारियों तथा सैनिकों की युद्ध तत्परता की समीक्षा की। सेनाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद जनरल सेठ की पुंछ के अग्रिम क्षेत्रों की पहली यात्रा है। उनकी यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गए हैं।

अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया,सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने पुंछ, राजौरी और सुंदरबनी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के अग्रिम इलाकों का दौरा किया। उन्होंने नियंत्रण रेखा पर मौजूदा सुरक्षा स्थिति और व्हाइट नाइट कोर की आतंकवाद निरोधक व्यवस्था की समीक्षा की। एडीजीपीआई के अनुसार सेनाध्यक्ष को बदलते सुरक्षा माहौल, सैन्य तैनाती, निगरानी व्यवस्था, क्षेत्र में किए गए नए नवाचारों और समन्वित परिचालन तैयारियों की जानकारी दी गई। एडीजीपीआई के मुताबिक जनरल सेठ ने मौजूदा बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं और भारत के सीमावर्ती अग्रिम गांवों के लोगों को जन-केंद्रित पहलों के जरिए सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का का मूल्यांकन भी किया। सेनाध्यक्ष ने पुंछ ब्रिगेड मुख्यालय में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से भी मुलाकात की। वहां उन्हें सैनिकों की तैनाती, मौजूदा सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों की जानकारी दी गई। इससे पहले सेनाध्यक्ष ने नगरोटा में 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' मुख्यालय का दौरा किया, जहां वरिष्ठ कमांडरों ने उन्हें जम्मू क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति और उसकी टुकड़ियों की अभियानगत तैयारियों के बारे में जानकारी दी। सेनाध्यक्ष ने पुंछ ब्रिगेड मुख्यालय में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से भी मुलाकात की, जहां उन्हें सैनिकों की तैनाती, मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य और अभियानगत तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट धोखाधड़ी : अदालत ने कहा, आरोपी के विदेश में रहने वाले बेटे को ईडी का समन अमान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रियल एस्टेट धोखाधड़ी के आरोपी अमित कत्याल के बेटे कृष्ण कत्याल को राष्ट्रीय राजधानी में उनके घर पर समन भेजकर उसे कानूनी रूप से सही तरीके से तामील नहीं मान सकती। अदालत ने कहा कि विदेश में रहने वाले व्यक्ति को समन भेजने के लिए एजेंसी को कानून में बताई गई उचित प्रक्रिया का पालन करना होगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान, अमित कत्याल की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिसमें उन्होंने ईडी को उनके पते पर उनके बेटे कृष्ण कत्याल के लिए भेजे गए समन को वैध तामील मानने से रोकने संबंधी निर्देश का अनुरोध किया था। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि दूसरे देश में रह रहे विदेशी नागरिक को समन भेजने के लिए ईडी को कानून में

निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया जाए। अदालत ने आठ जुलाई के अपने आदेश में कहा, कृष्ण कत्याल भारत के नागरिक नहीं हैं और न ही वह मूल अपराध के मामले में आरोपी हैं। ऐसे में एक अगस्त 2025 और 19 अगस्त 2025 को याचिकाकर्ता के पते पर भेजे गए समन को कृष्ण कत्याल पर वैध तामील नहीं माना जा सकता।

आदेश में कहा गया, ''इसलिए कानून की दृष्टि में इसकी कोई वैधता नहीं है। ईडी को कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए स्थापित विधि के अनुसार कृष्ण कत्याल को समन तामील कराना चाहिए।'' अदालत ने यह भी कहा कि कृष्ण कत्याल न तो धनशोधन के मामले में आरोपी हैं और न ही ईडी द्वारा अपराध की जांच के मामले में उनके खिलाफ कोई आरोप है। अदालत ने कहा, ''याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता के माध्यम से 12 अगस्त 2025 और 30 अगस्त 2025 को ईडी को भेजे गए पत्रों में स्पष्ट रूप से बताया गया था कि आरोपी के बेटे कृष्ण कत्याल वर्ष 2017 से याचिकाकर्ता के पते पर न तो रहते हैं और न ही कभी रहे हैं। ऐसे में उस पते पर उन्हें समन की तामील नहीं मानी जा सकती थी।''

RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 340 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 10-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 सरकारी शिक्षा तंत्र पर से जनता का बरसों पुराना भरोसा टूटा :

6 सरहद पार की साज़िश और आंतरिक सुरक्षा की नई चुनौतियाँ

7 फिटनेस को लेकर बदला शिल्पा मंजूनाथ का नजरिया

फर्स्ट टेक

ईरान के जवाबी हमलों के बीच जॉर्डन में सायरन की आवाज सुनाई दी

अम्मान/एपी पश्चिम एशिया में ईरान के जवाबी हमलों के बीच बृहस्पतिवार को जॉर्डन में मिसाइल के प्रति सतर्क करने के लिए सायरन बजे। ईरान ने अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में पश्चिम एशियाई देशों पर हमले किए हैं। जॉर्डन की मीडिया ने कहा कि राजधानी अम्मान के अलावा दूसरी जगहों पर भी सायरन की आवाज सुनाई दी है। हालांकि अधिकारियों की ओर से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

दक्षिणी चीन में भारी बारिश, 39 लोगों की मौत

बीजिंग/एपी। चीन में उष्णकटिबंधीय तूफान मेसाक' के प्रभाव से हुई मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में 39 लोगों की मौत हो गई है। दक्षिणी चीन के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आने वाले दिनों में तूफान 'मेसाक' के देश के पूर्वी तट और ताइवान के तट से टकराने की संभावना है। दक्षिणी चीन के नैनिंग शहर के उप महापौर डिंग वेई ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अधिकतर लोगों की मौत हेंगझोऊ में हुई, जहां एक जलाशय का बांध आंशिक रूप से टूट जाने से तेज बहाव से पानी शहर में घुस गया और 26 लोगों की जान चली गई जबकि गुआंग्शी क्षेत्र में नौ लोग अब भी लापता हैं। शनिवार से गुआंग्शी में उष्णकटिबंधीय तूफान मेसाक' के प्रभाव से रिकॉर्ड बारिश हुई जिससे जलाशयों में जलस्तर बढ़ गया और लोग कई दिनों तक अपने अपने घरों और अन्य इमारतों में फंसे रहे। मंगलवार को मृतक संख्या छह बताई गई थी।

चार प्रदेशों में मसौदा मतदाता सूची से 22 लाख नाम बाहर

नई दिल्ली/भाषा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण के तहत चार प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूची से करीब 22 लाख मतदाताओं के नाम बाहर हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों में मिजोरम, ओडिशा, मणिपुर और सिक्किम के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए आंकड़ों के अनुसार, इन चारों राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या में लगभग 22 लाख की कमी आई है। इन राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले कुल 3.68 करोड़ मतदाता थे, जो अब घटकर 3.46 करोड़ रह गए हैं। सबसे अधिक 20.11 लाख नाम ओडिशा में मतदाता सूची से हटाए गए हैं।हालांकि, जिन लोगों के नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, उन्हें इस वर्ष बाद में प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का अवसर मिलेगा। मिजोरम, ओडिशा, मणिपुर और सिक्किम उन 16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में शामिल हैं।

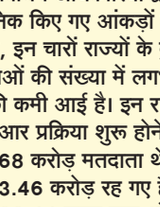

'खूब विकास करो और उपलब्धियां हासिल करो' से प्रेरित भारत विकसित राष्ट्र बनने की राह पर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि खूब विकास करो, और उपलब्धियां हासिल करो' की दृष्टि से प्रेरित भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि देश के बड़े सपनों एवं बड़ी आकांक्षाओं की बुनियाद उसके लोग हैं। प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम 'मेलबर्न मीट्स मोदी' में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की उपस्थिति में मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि शिक्षा, कौशल एवं नवोन्मेष के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी गहरी और मजबूत हो रही है। प्रधानमंत्री ने खचाखच भरे स्टेडियम में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, 21वीं सदी का भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। यह एक ऐसा भारत है जो 'और विकास करो, और उपलब्धियां हासिल करो' में यकीन करता है।''

मोदी ने कहा कि 'नागरिक देवो भव' का मंत्र भारत में शासन का मार्गदर्शक सिद्धांत बन गया है। उन्होंने कहा,भारत के बड़े सपनों और बड़ी आकांक्षाओं की नींव इसके लोग ... 'हम, भारत के लोग' हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां नागरिकों के कल्याण पर केंद्रित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज चिप से लेकर शिप (जहाज) तक बनाकर भारत नई विनिर्माण व्यवस्था विकसित कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि भारत 'सिक्स जी' प्रौद्योगिकी पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों को कुछ साल पहले ही निजी उद्यम के लिए खोला गया था और आज भारत का पहला प्राइवेट अंतरिक्ष 'स्टार्ट-अप' बहुत जल्द अपने रॉकेट से सैटेलाइट प्रक्षेपित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा। भारत के अलावा कोई भी देश ऐसा नहीं कर पाया है। लेकिन भारत इतने से ही संतुष्ट नहीं है। जैसा कि हम कहते हैं, और विकास करो, और उपलब्धियां हासिल करो।' ऐसे में अब भारत गगनयान भेजेगा और हम अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लक्ष्य पर काम कर रहे हैं।'' वेनेजुएला के हालिया भूकंप का ज़िक्र करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया तथा जितनी जल्दी हो सका, उसने मदद भेजी। उन्होंने कहा, हमने दूरी की परवाह नहीं की। भारत ने वेनेज़ुएला के दर्द को अपना दर्द समझा। जब भारत मदद करता है, तो वह पासपोर्ट नहीं देखता। वह पासपोर्ट का रंग भी नहीं देखता। इसीलिए दुनिया भारत पर इतना भरोसा करती है।अपने तीन देशों के दौरे के दूसरे चरण में बुधवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे मोदी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में यह उनकी तीसरी यात्रा है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत के रक्षा उपकरणों की क्षमता एवं विश्वसनीयता देखी : मोदी

मेलबर्न/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जब सीमापार आतंकवादियों के ठिकानों पर विस्फोट हो रहे थे तब दुनिया ने भारत के रक्षा उपकरणों की क्षमता और विश्वसनीयता देखी। उन्होंने यह बात यहां प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम 'मेलबर्न मीट्स मोदी' में कही। इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी उपस्थित थे। मोदी ने कहा, ''दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की क्षमता और विश्वसनीयता देख रही है। आपने 'ऑपरेशन सिंदूर' में इसका प्रदर्शन जरूर देखा होगा।'' उन्होंने कहा, ''धमाके आतंकवादियों के ठिकानों पर हो रहे थे और उनकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी।'' स्टेडियम में दर्शकों की तालियों और उत्साह के बीच मोदी ने पूछा, क्या आपको आतंकवादी शिविरों पर की गयी गई कार्रवाई पर गर्व महसूस हुआ? भारत ने पिछले साल सात मई को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचों को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। उसने भीषण पहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए यह अभियान शुरू किया। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 बेगुनाह लोगों की जान चली गयी थी।

अमेरिका, ईरान ने पश्चिम एशिया में एक-दूसरे पर हमले तेज किए

खतरे में पड़ा युद्ध विराम समझौता

- **अमेरिका ने ईरान के एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आसपास हवाई हमला किया और दोपहर में देश के दूसरे हिस्सों से भी विस्फोटों की खबरें आईं। ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान के कुछ घंटे बाद हुए, होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरान के हालिया हमले युद्धविराम के खत्म होने का संकेत हैं।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। अमेरिका ने बृहस्पतिवार तड़के ईरान पर एक बार फिर हवाई हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने उसके सहयोगी पश्चिम एशियाई देशों को निशाना बनाया। दोनों तरफ से हुए हमलों के कारण वह अस्थायी समझौता खतरा में पड़ गया है, जिसका मकसद पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने में मदद करना था। बुधवार को भी दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हमले किए थे, लेकिन बृहस्पतिवार के हमले पहले से ज्यादा बड़े थे। बहरीन में कम से कम तीन बार सायरन बजे। कुवैत और कतर पर भी मिसाइलें दागी गईं। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े का मुख्यालय है।

बृहस्पतिवार दोपहर जॉर्डन में भी सायरन बजे, जहां अमेरिका ने अपने सैनिक और विमान तैनात रखे हैं। ईरान के एक अधिकारी ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को अमेरिका ने ईरान के एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आसपास हवाई हमला किया और दोपहर में देश के दूसरे हिस्सों से भी विस्फोटों की खबरें आईं। ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान के कुछ घंटे बाद हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरान के हालिया हमले युद्धविराम के खत्म होने का संकेत हैं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ये हमले नहीं रुके तो संघर्ष और बढ़ सकता है। इसके बाद पूरे क्षेत्र में एक बार फिर बड़े युद्ध की चपेट में आने की आशंका बढ़ गई। ऐसा होने पर कई देश प्रभावित होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा आपूर्ति भी रुक सकती है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले दो दिन में अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और 78 लोग घायल हुए हैं। इनमें ज्यादातर सुरक्षा बलों के सदस्य बताए गए हैं।

भारी बारिश से देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर तबाही

आम जनजीवन अस्त-व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मूसलाधार मानसूनी बारिश ने बृहस्पतिवार को देश के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई, जिससे सड़कों पर पानी भर गया, बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। अधिकारी पूरे दिन हालात को सामान्य बनाने की कोशिशों में जुटे रहे। कई शहरों में सड़कें और रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए, जिसके चलते लोग घुटने तक भरे पानी से होकर गुजरते नजर आए, जबकि मुख्य मार्गों पर यातायात की रफ्तार बहुत धीमी हो गई। तेज हवाओं के कारण कई जगहों पर पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए, जिससे रास्ते बंद हो गए, जबकि बाढ़ की वजह से वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और घरों को नुकसान पहुंचा।

महाराष्ट्र में पुणे के पास पिंपरी-चिंचवड़ में उस जगह पर बचाव कार्य बृहस्पतिवार को भी जारी रहा, जहां एक दिन पहले भारी बारिश के कारण कचरे से बिजली पैदा करने वाले संयंत्र में कूड़े का बड़ा ढेर ढहने से एक इमारत गिर गई थी। बृहस्पतिवार को इमारत के मलबे से एक शव बरामद किया गया, जबकि करीब आठ लोगों के अब भी फंसे होने की आशंका है। अब तक नौ लोगों को बचाया जा चुका है।

दिल्ली में बृहस्पतिवार को इस मौसम की सबसे भारी बारिश हुई, जिससे जगह-जगह जल-जमाव हो गया, पेड़ उखड़ गए और लोगों को भारी यातायात जाम का सामना करना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के लिए 'रेड' अलर्ट जारी किया, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में 72.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी इलाके के तुकमीरपुर में सबसे ज्यादा 160 मिलीमीटर बारिश हुई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने विधानसभा क्षेत्र के शालीमार गांव में जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया और अधिकारियों को पानी की सही निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आईटीओ स्थित पीडब्ल्यूडी कंट्रोल रूम का दौरा कर जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर जगहों पर जमा पानी हटा दिया गया है और हालात पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर हैं।

गुरुग्राम में बृहस्पतिवार सुबह भारी बारिश के कारण एक लग्जरी अपार्टमेंट की बालकनी का एक हिस्सा गिर गया। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। निवासियों ने घटना के लिए बिल्डर की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया और पूरी आवासीय परियोजना का संरचनात्मक ऑडिट कराने की मांग की।

10-07-2026 सूर्यास्त 6:50 बजे	11-07-2026 सूर्योदय 6:02 बजे
BSE 76,741.82 (+238.22)	NSE 23,962.80 (+80.75)
सोना 15,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 233,329 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्म में अधर्म

दान का जो प्रतिदान मांग रहे खुलेआम,
दान नहीं मानो वे उधार दे के आए हैं।
जिनने दिया नहीं है एक रुपया किसी को,
वे भी मीडिया में साहूकार बन के आए हैं।
मुद्दे की तलाश में भटक रहे थे विपक्षी,
सत्ता के लिए नया शिकार ले के आए हैं।।
खाने वाले चुप हैं खिलाने वाले शर्मसार,
धर्म में अधर्म का विकार ले के आए हैं।

मुख्य सचिव ने की जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को शासन सचिवालय में जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में संचालित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन के सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा भौतिक एवं वित्तीय प्रगति में अपेक्षित गति लाई जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करते हुए राज्य की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी रूप से स्थापित किया जाए। मुख्य सचिव ने भौतिक रूप से पूर्ण हो चुकी योजनाओं का शीघ्र वित्तीय समापन सुनिश्चित करने तथा उनकी प्रगति को पोर्टल पर समय पर अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर घर जल प्रमाणन, जल सेवा आकलन, सुजलाम भारत आईडी तैयार करने तथा जिला सुधार योजनाओं के शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर जोर दिया। बैठक में मिशन के अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं, कार्यादेश जारी होने की स्थिति, लंबित निविदाओं, वित्तीय व्यय तथा योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जिन योजनाओं में विभिन्न कारणों से प्रगति प्रभावित है, उनके अवरोधों का प्राथमिकता से निराकरण कर कार्यों में तेजी लाई जाए।

उन्होंने राष्ट्रीय जल जीवन मिशन स्तर पर लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से आईएमआईएस पोर्टल पर योजनाओं की प्रविष्टि, कार्यादेशों के अद्यतन, वित्तीय समायोजन, एसएनए-स्पर्श मॉड्यूल पर योजनाओं के ऑनबोर्डिंग तथा अन्य तकनीकी विषयों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्य सचिव ने 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की डीपीआर की समीक्षा, लागत युक्तिकरण तथा तकनीकी परीक्षण की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का परीक्षण शीघ्र पूर्ण कर आवश्यक प्रस्ताव एपेक्स समिति के माध्यम से राष्ट्रीय जल जीवन मिशन को भेजे जाएं। उन्होंने ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन एवं संधारण की व्यापक नीति को शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। इस संबंध में पंचायती राज विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित कर संशोधित नीति को आगे बढ़ाने तथा राज्य एवं एपेक्स समिति की बैठकें शीघ्र आयोजित करने के भी निर्देश दिए दिए।

बैठक में जनजातीय क्षेत्रों एवं पीवीटीजी आबादी वाले क्षेत्रों में संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने इन क्षेत्रों से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र समाधान कर योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिला स्तर पर मिशन की नियमित समीक्षा, ग्राम स्तर पर जल गुणवत्ता परीक्षण, हर घर जल प्रमाणन, योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं सामुदायिक भागीदारी को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभागों के मध्य समन्वय बढ़ाकर मिशन के सभी लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत योजनाओं की स्वीकृतियों, वित्तीय प्रगति, व्यय, डीपीआर समीक्षा, केंद्र स्तर पर लंबित विषयों, ग्रामीण जलापूर्ति की संचालन एवं संधारण नीति, अंतरविभागीय समन्वय, वित्तीय आवश्यकताओं तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी एवं भू-जल विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमंत कुमार गेरा, जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक एवं जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग के पदेन शासन सचिव राजन विशाल सहित सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान के कई इलाकों में अति भारी बारिश की चेतावनी

जयपुर/दक्षिण भारत । दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता से बृहस्पतिवार को राज्य में कई जगह अति भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। राज्य के कुछ भागों में आगामी कुछ दिन मानसून सक्रिय रहने व 11 जुलाई से बारिश की गतिविधियों में गिरावट होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार आज बृहस्पतिवार को राज्य के कोटा, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मध्यम से भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश हो सकती है। शेष अधिकतर भागों में भी मध्यम से कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है। वहीं 10 जुलाई को केवल भरतपुर संभाग व आसपास के जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश जारी रहने तथा बाकी हिस्सों में भारी बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, 11 जुलाई से आगामी एक सप्ताह राज्य के ज्यादातर भागों में बारिश की गतिविधियों में कमी होगी। केवल उत्तरी व पूर्वी भागों में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है।

इस बीच बृहस्पतिवार सुबह तक, बीते चौबीस घंटे में राज्य में बारिश का दौर जारी रहा और कई जगह भारी बारिश हुई। चित्तौड़गढ़ के बड़ेसर व निंबाहेड़ा तथा भरतपुर के बयाना में नौनौ सेंटीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा दौसा, बारां, भीलवाड़ा व अजमेर जिले में अनेक जगह तीन से छह सेंटीमीटर बारिश हुई।

सरकारी शिक्षा तंत्र पर से जनता का बरसों पुराना भरोसा टूटा : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्कूल में बच्चों के बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने पर चिंता जताते हुए दावा किया कि राजस्थान में बीते दो साल में ही 8.4 लाख से अधिक बच्चों ने अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़ दी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने 'ड्रॉपआउट' को लेकर राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि सरकारी शिक्षा तंत्र पर से जनता का बरसों पुराना विश्वास टूट रहा है। एक बयान में उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा, राजस्थान की भाजपा सरकार के कार्यकाल में मात्र दो वर्षों में ही 8.4 लाख से अधिक 'बच्चों का ड्रॉपआउट' बेहद चिंताजनक है। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब निजी स्कूलों में नामांकन सरकारी स्कूलों से अधिक हो गया है। यह राज्य के सरकारी विद्यालयों की गिरती साख का सीधा प्रमाण है।

गहलोत ने कहा विडंबना यह है कि इसी अवधि में शिक्षकों की संख्या 7.8 लाख से बढ़कर 7.9 लाख से अधिक हो गई, फिर भी कुप्रबंधन के कारण सरकारी स्कूलों ने 9.3 लाख से अधिक छात्र खो दिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज राजस्थान में सिर्फ स्कूलों की छतें ही नहीं गिर रहीं, बल्कि सरकारी शिक्षा तंत्र पर जनता का जो बरसों पुराना विश्वास था, वह भी गिर रहा है। कांग्रेस नेता के अनुसार शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक कार्य करवाना, स्कूलों का बुनियादी ढांचा दरकना, मरम्मत ठप होना और शिक्षा में सुधार के बजाय पाठ्यक्रम का लगातार राजनीतिकरण करना ही इस पतन का कारण है। शिक्षामंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जब शिक्षा मंत्री का ध्यान शिक्षा छोड़कर बाकी सब जगह रहेगा, तो यही स्थिति होनी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जिस बेहतरीन सरकारी शिक्षा मॉडल को खड़ा किया था उसे वर्तमान सरकार की अदूरदर्शिता ने पूरी तरह तबाह कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि राजस्थान के नौनिहालों के इस धूमिल होते भविष्य का जिम्मेदार कौन है?

विधानसभा अध्यक्ष ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 'आरोहण' कार्यक्रम में दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जयपुर महानगर द्वारा 'राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' के उपलक्ष्य में यहां एस.एस. जैन सुबोध आर्ट्स एवं कॉमर्स कॉलेज में आयोजित आरोहण कार्यक्रम में कहा कि भारत की युवा शक्ति हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पूंजी है। राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का आधार सशक्त, संस्कारित एवं कर्तव्यनिष्ठ विद्यार्थी हैं। देवनानी ने युवाओं का आह्वान किया कि वे देश को आगे बढ़ायें, नई दिशा दें और राष्ट्र को मजबूत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभायें। उन्होंने युवाओं से गरीबों के प्रति संवेदनशील रहने और अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए कहा।

देवनानी ने कहा कि विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन के वाहक है। युवा भारत और भारत की ज्ञान परम्परा को जाने। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग भारतीय संस्कृति के अनुरूप करें। युवा अपने कार्यों की समीक्षा करें और उसी के आधार पर भविष्य का निर्धारण करें। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह दिवस स्वामी विवेकानंद के उस अमर संदेश का भी स्मरण कराता है, जिसने भारतीय युवाओं में आत्मविश्वास, आत्मबल और राष्ट्रगौरव का संचार किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का यह विचार कि चरित्रवान और राष्ट्रनिष्ठ युवा भारत का स्वरूप बदल सकते हैं, आज भी उतना ही प्रासंगिक है और राष्ट्र निर्माण का कालजयी सूत्र है।

देवनानी ने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से उनका सार्वजनिक जीवन प्रारंभ हुआ तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के साथ सक्रिय कार्य करते हुए उन्हें राष्ट्रसेवा, अनुशासन, संगठन और समाज के प्रति समर्पण का संस्कार प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में परिषद के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए छात्रहित, शैक्षणिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक स्वाभिमान तथा राष्ट्रीय एकता के लिए कार्य करना उनके सार्वजनिक जीवन की महत्वपूर्ण साधना रही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी होना आयु का विषय नहीं है यह जीवनभर सीखते रहने की लगन है। आज का विद्यार्थी आधुनिक तकनीक और वैश्विक ज्ञान से जुड़ा है, किन्तु उसे अपनी संस्कृति, भाषा, परंपरा और भारतीय जीवन मूल्यों से भी समान रूप से जुड़े रहना होगा। यही संतुलन भारत को विश्व के समक्ष विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

देवनानी ने युवाओं को अनुशासन का परिचय दिया। वे निर्धारित समय पर आयोजन स्थल पर पहुँचे और निर्धारित 21 मिनिट का उद्बोधन दिया। देवनानी ने कहा कि वे सदन में विधायकगण को बोलने हेतु समय के लिए पाबंद करते रहते हैं, लेकिन वे स्वयं भी समय के पाबंद है। देवनानी ने कहा कि उन्होंने निर्धारित समय में अपनी बात पूरी की है।

युवक ने मां की चाकू गोद कर हत्या की

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में एक युवक ने घर पर हुई बहस के बाद अपनी बुजुर्ग मां को कथित तौर से चाकू गोदकर बुरी तरह से घायल कर दिया, जिससे महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। नवलगढ़ के थानाधिकारी अजय सिंह ने बताया कि आरोपी राजवीर ने मंगलवार रात अपनी मां प्रभाती देवी से झगड़े के बाद रसोई के चाकू से उन पर हमला किया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद राजवीर ने अपनी बहन को फोन करके बताया कि उसने अपनी मां को मार डाला है। बहन व अन्य परिजन तुरंत घर पहुंचे और घायल महिला को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राजवीर नवलगढ़ में लोक निर्माण विभाग में वरिष्ठ लिपिक (यूडीसी) के पद पर तैनात है। उन्होंने बताया कि राजवीर अपनी मां के साथ रह रहा था जबकि उसकी पत्नी वैवाहिक विवाद के कारण अपने मायके में रह रही थी। पोस्टमार्टम के बाद बृहस्पतिवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया।

लाडो प्रोत्साहन योजना की समीक्षा, पात्र बालिकाओं को समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रारंभिक शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने गुरुवार को शासन सचिवालय में लाडो प्रोत्साहन योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान तथा पात्र बालिकाओं को समयबद्ध तरीके से लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रारंभिक शिक्षा विभाग के निदेशक सीताराम जाट सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव यादव ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना बालिकाओं के शिक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तकनीकी बाधाओं का शीघ्र समाधान करते हुए सभी पात्र बालिकाओं को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए।

लाडो प्रोत्साहन योजना राज्य सरकार की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं में शामिल है। योजना के तहत पात्र बालिकाओं को 1.50 लाख रुपये का संकल्प पत्र प्रदान किया जाता है।

1 अगस्त 2024 से अब तक 6.50 लाख से अधिक बालिकाओं को योजना का लाभ दिया जा चुका है।

दो से अधिक संतान संबंधी बाध्यता समाप्त कर दी गई है तथा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं को भी योजना का लाभ दिया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में 4,531.96 लाख रुपये के विपत्र कोषालय को भेजे गए, जिनमें से 2,509.48 लाख रुपये के विपत्रों का ईसीएस हो चुका है, जबकि 2,022.48 लाख रुपये के विपत्र ईसीएस की प्रक्रिया में हैं।

अब तक 2,56,808 बालिकाओं को तृतीय किस्त का लाभ प्रदान किया जा चुका है तथा शेष पात्र आवेदनों के भुगतान की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

पीएम कुसुम, सूर्यघर योजना और दिवसकालीन विद्युत आपूर्ति की प्रगति की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को ऊर्जा विभाग एवं राज्य की तीनों बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभाग की विभिन्न प्रमुख योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं का निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री कुसुम (पीएम-कुसुम) योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, यूटिलिटी लेड एग्रीगेशन (यूएलए) मॉडल तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। पीएम-कुसुम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्य सचिव ने पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निरीक्षण सुनिश्चित करते हुए पात्र लाभार्थियों को समय पर विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

यूएलए मॉडल की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि राज्य में रूफटॉप सोलर स्थापना के कार्यों में और अधिक गति लाई जा सके।

बैठक में किसानों को मार्च 2027 तक प्रदेशभर में दिवसकालीन विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की कार्ययोजना की भी समीक्षा की गई। वर्तमान में राज्य के 26 जिलों में किसानों को दिन के समय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जा रही है तथा शेष जिलों में भी लक्ष्य के अनुरूप कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। बैठक में दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर रोहित कुमार शामिल हुए।

सेवा में बहाली की मांग को लेकर पूर्व कोविड स्वास्थ्यकर्मियों का जयपुर में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कोविड-19 महामारी के दौरान भर्ती किए गए पूर्व कोविड स्वास्थ्य सहायकों (सीएचए) ने अपनी बहाली की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार का कार्यकाल ढाई वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पार्टी चुनावी वादा पूरा करने में विफल रही है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कोरोना महामारी के वक्त स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतें पूरी करने के लिए संविदा पर करीब 28 हजार कोविड स्वास्थ्य सहायकों की नियुक्ति की गई थी, लेकिन 31 मार्च 2022 को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

राजस्थान अखिल कोविड स्वास्थ्य संघ के अध्यक्ष वीर सिंह ने सरकार से अपना वादा निभाते हुए बर्खास्त संविदाकर्मियों की सेवाएं बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा, ''(भाजपा) सरकार को उसके वादे की याद दिलाने के लिए यह प्रदर्शन किया गया।''

महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ में एक महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया है जिनमें तीन लड़कियां व एक लड़का है। चिकित्सकों ने बताया कि नवजात फिलहाल चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

झालावाड़ के सरकारी जनाना अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय बाथोलिया ने संवाददाताओं को बताया कि गर्भवती ज्योति को सांस लेने में दिक्कत होने पर बुधवार को अस्पताल में भर्ती किया गया था। महिला ने ऑपरेशन के जरिये चार बच्चों को जन्म दिया जिनमें तीन लड़कियां व एक लड़का है। उन्होंने बताया कि शिशुओं को नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में रखा गया है।

दो साल में 8.4 लाख बच्चों ने छोड़ा स्कूल : टीकाराम जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की भाजपा सरकार के मात्र दो वर्ष के कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली को लेकर तीखा सियासी हमला बोला है। जूली ने कहा कि खुद को डबल इंजन की सरकार बताने वाली भाजपा ने राजस्थान की मजबूत शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह पटरी से उतार दिया है। प्रदेश में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है और सरकार पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है कि भाजपा सरकार के महज दो वर्षों के कार्यकाल में ही प्रदेश में 8.4 लाख से अधिक बच्चों का स्कूल ड्रॉपआउट हो चुका है। सरकारी स्कूलों में नामांकन लगातार कम हो रहे हैं, लेकिन बार-बार चेताने के बावजूद कुंभकर्णी नींद सो रही भाजपा सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। सरकार की गलत नीतियों और सरकारी स्कूलों के प्रति बेरुखी के कारण गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित होने को मजबूर हैं।

कोटा जिले का उदाहरण देते हुए नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि सहरावदा गांव के राजकीय संस्कृत विद्यालय की हालत इतनी जर्जर है कि पिछले दिनों तेज बारिश के कारण विद्यालय की ऊपरी मंजिल पर बने दो छज्जे ढह गए।

गनीमत रही कि यह हादसा रात के समय हुआ, जिससे मासूम बच्चों की जान बच गई, वरना कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी। इस घटना से सहमे और डरे हुए अभिभावक अब अपने बच्चों की सुरक्षा के खातिर स्कूलों से टीसी (तबादला प्रमाणपत्र) निकलवाने को मजबूर हैं।

ग्रामीण इलाकों में हर विधानसभा सीट के लिए 1 करोड़ रुपये की ग्रांट : डीके शिवकुमार

■ गारंटी स्कीम बंद नहीं होगी, गैर-कानूनी काम रोकने के लिए रिव्यू ■ तुंगभद्रा मुद्दे पर ऐतिहासिक फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, बारिश की कमी के कारण राज्य में पीने के पानी की समस्या न हो, यह पक्का करने के लिए ग्रामीण इलाकों में हर विधानसभा सीट को 1 करोड़ रुपये की ग्रांट देने का फैसला किया गया है। शिवकुमार गुरुवार को बेलगावी के सुवर्ण सौधा में हुई बेलगावी डिविजन की प्रोग्रेस रिव्यू मीटिंग के बाद एक मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, इस मीटिंग में सभी विधायक और सांसद शामिल हुए। मैंने उत्तर कर्नाटक के जिलों का अपना दौरा बसवन्ना की धरती, बसवकल्याण के अनुभव मंडप से शुरू किया है। इस बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कित्तूर कर्नाटक में कुछ बारिश हुई है। केंद्र सरकार ने देश में गंभीर सूखे की चेतावनी जारी की है, लेकिन हमारे यहां भी आम तौर पर होने वाली बारिश नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हमने सूखे की स्थिति में कलबुर्गी और बेलगाम में प्रोग्रेस रिव्यू मीटिंग की है। 50 से ज़्यादा विधायक और सांसद ने कई सुझाव दिए हैं। अधिकारियों को बीज और खाद की सप्लाई के लिए ज़रूरी तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। हमारी सरकार ने डिप्टी कमिश्नरों को ग्रांट दी है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि हमारी सरकार केंद्र सरकार की ग्रांट का इंतज़ार किए बिना लोगों को कोई परेशानी न दे। लोकल चड्ढ-इस मामले की स्टडी करें और एक प्लान बनाएं। आने वाले दिनों में पीने के पानी की सप्लाई के लिए डैम में पानी स्टोर करने या न करने की सलाह दी गई है।

फर्टिलाइज़र के मुद्दे पर बेंगलूरु में एक मीटिंग होगी। उन्होंने बताया, मैं संबंधित मंत्रियों से बात करूंगा। केंद्र सरकार ने सिर्फ़ 50 प्रतिशत फर्टिलाइज़र सप्लाई किया है, और उसे फर्टिलाइज़र जमा करने का निर्देश दिया गया है। ऐसी खबरें थीं कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट पीने के पानी और सिंचाई प्रोजेक्ट्स में रुकावट डाल रहा है। पता चला है कि 60 से ज़्यादा जगहों पर पाइपलाइन बिछाने में दिक्कत आ रही है, और मैंने निर्देश दिया है कि किसी भी वजह से पीने के पानी की सप्लाई में रुकावट न आए।

सीएजी रिपोर्ट के बाद हम गारंटी स्कीम का रिव्यू कर रहे हैं, जिसमें पता चला है कि गारंटी स्कीम का गलत इस्तेमाल हो रहा है। मरे हुए लोगों के नाम पर सैकड़ों करोड़ रुपये मिले हैं। इसे रोकने के लिए गृहलक्ष्मी और गृहलज्योति के लाभार्थियों की जानकारी फिर से इकट्ठा की जा रही है। हम किसी भी वजह से गारंटी स्कीम बंद नहीं करेंगे। यह स्कीम सही लाभार्थियों तक पहुंचेगी। उन्होंने साफ किया, सिद्दरामय्या सरकार में हमने जो भी प्रोग्राम तय किए हैं, हम उन्हें नहीं रोकेंगे।

राम मंदिर चढ़ावा 'चोरी' मामले के बाद

मुख्यमंत्री ने मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के दिए आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने पूरे राज्य में हिंदू धार्मिक संस्थान एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग से जुड़े सभी प्रमुख मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का बृहस्पतिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया। यह निर्देश अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के आरोपों के मद्देनजर जारी किया गया है।

शिवकुमार ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे चौबीसों घंटे चालू रहने चाहिए और मंदिर परिसर के सभी हिस्सों को कवर करें, जिनमें चढ़ावे की राशि एकत्र करने और उसकी गिनती किए जाने वाले स्थान भी शामिल हों।

शिवकुमार ने कहा, राम मंदिर में हाल में जो घटनाक्रम सामने आया है, वह हम सभी के लिए अपमानजनक है। आप सभी ने श्रद्धा से मंदिर के लिए ईंटें, धन, सोना और चांदी दान किए हैं। लेकिन वहां हुई बड़ी चोरी मानसिक रूप से आहत करने वाली है। धर्म के नाम पर वहां जो कुछ हुआ, उसकी सभी को जानकारी है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि एहतियात के तौर पर राज्य के हिंदू धार्मिक संस्थान एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग से जुड़े सभी मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया गया है।

उन्होंने कहा, मंदिर में प्राप्त चढ़ावे की राशि की गिनती, ताले खोलने और बंद किए जाने सहित हर गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड होनी चाहिए। कैमरे चौबीसों घंटे चालू रहने चाहिए। अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर कन्नड़ में भीषण सड़क हादसा

लॉरी और एमयूवी की टक्कर में सात लोगों की मौत

येल्लापुर/दक्षिण भारत । कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में बुधवार देर रात एक एमयूवी (बहुउद्देशीय वाहन) और लॉरी की आमने-सामने की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई जबकिदो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा देर रात करीब डेढ़ बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर येल्लापुर पुलिस थाने की सीमा में अराबेल घाट खंड के बालगारा क्रॉस के पास हुआ जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घायलों को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें हुब्बल्ली के कर्नाटक आयुर्विज्ञान संस्थान (किम्स) अस्पताल रेफर किया गया जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, एमयूवी में चालक सहित नौ लोग सवार थे जो धारवाड़ से धर्मस्थला और चिकमगलूरु घूमने जा रहे थे। शुरुआती जानकारी से पता चला है कि वाहन चालक एक खाद्य आपूर्ति मंच के साथ अंशकालिक डिलीवरी कर्मचारी के रूप में काम करता था। पुलिस ने बताया कि चालक संजीव वाहन को कथित तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहा था तथा इसी बीच वाहन सड़क के बिल्कुल दाहिने हिस्से की ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से टकरा गया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बहुउद्देशीय वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। येल्लापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जा गया। हादसे में घायल हुए शिवराज नाम के व्यक्ति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 281 , 125(2) (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य-गंभीर चोट) और 106(1) (लापरवाही की वजह से मृत्यु का कारण बनना) के तहत मामला दर्ज किया है।

महाराष्ट्र ऐसी गतिविधियों का समर्थन न करे जिनसे कर्नाटक में टकराव की स्थिति पैदा हो : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियंक खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र एमईएस जैसी संस्थाओं को कानूनी मदद देने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन उसे ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करना चाहिए जिससे टकराव की स्थिति पैदा होने का जोखिम हो। प्रियंक ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक सीमावर्ती जिले बेलगावी में सक्रिय 'महाराष्ट्र एकीकरण समिति' (एमईएस) जैसे महाराष्ट्र-समर्थक संगठनों को ऐसी कोई भी हरकत या आंदोलन करने की अनुमति नहीं देगा, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य इसे चेतावनी या सलाह', जिस भी रूप में चाहे, ले सकता है। प्रियंक ने उम्मीद जताई कि महाराष्ट्र सरकार मामले में 'उचित समझदारी और सूझबूझ' का परिचय देगी।

कांग्रेस नेता ने ये टिप्पणियां उस सवाल के जवाब में कीं, जिसमें उनसे पूछा गया था कि महाराष्ट्र सरकार ने कर्नाटक में मुकदमों का सामना कर रहे मराठी भाषी लोगों और एमईएस जैसे संगठनों को कानूनी मदद देने की घोषणा की है। प्रियंक ने कहा, ''अगर वे अपने संगठनों का समर्थन करना चाहते हैं, तो उन्हें करने दें-इसमें हस्तक्षेप का हमें कोई अधिकार नहीं है। लेकिन जब हमारी जमीन, पानी, राज्य और भाषा की बात आती है, तो हम पीछे नहीं हटेंगे। वे जो चाहें करें, एमईएस या किसी और का समर्थन करें। लेकिन चाहे महाराष्ट्र हो या गोवा, केरल, तमिलनाडु या आंध्र प्रदेश, अगर सीमा से जुड़े कोई मुद्दे हैं, तो अंततः संबंधित मामले को कानूनी तौर पर ही सुलझाना होगा।''

उन्होंने कहा, ''सिर्फ इसलिए कि कुछ संगठन या कोई मुख्यमंत्री या मंत्री कुछ कहते हैं, हम सीमाएं तय नहीं कर सकते, भले ही हम ऐसा चाहते हों। सीमाएं 'राज्य पुनर्गठन आयोग' ने भाषाई आधार पर तय की हैं।'' प्रियंक ने कहा कि अगर महाराष्ट्र सरकार एमईएस जैसे संगठनों को कानूनी मदद देती है, तो कर्नाटक कुछ नहीं कर सकता।

हालांकि, उन्होंने कहा, ''ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं किया जाना चाहिए, जिससे टकराव की स्थिति पैदा होने का जोखिम हो। हम भी ऐसी चीजें नहीं होने देंगे। वे इसे चेतावनी या सलाह, कुछ भी समझें। हम अपने राज्य में अराजकता फैलाने या ऐसे आंदोलन करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जिनसे टकराव हो सकता है।''

प्रियंक ने कहा, ''वे कानूनी लड़ाई लड़ने, अपनी मांगें रखने और कानून के दायरे में आने वाली कोई भी चीज करने के लिए आजाद हैं। हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। हम भी ऐसा ही करेंगे। लेकिन सरकार के तौर पर उनकी सभी गतिविधियों का समर्थन करना स्वीकार्य नहीं है। मुझे उम्मीद है कि महाराष्ट्र सरकार समझदारी और सूझबूझ का परिचय देगी।''

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा था कि कर्नाटक के साथ लंबे समय से जारी सीमा विवाद की उच्चतम न्यायालय में जल्द से जल्द सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार जरूरत पड़ने पर वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों को नियुक्त करेगी। एक उच्च-स्तरीय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा था कि इस विवाद को सुलझाने और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले मराठी भाषी लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए हरसंभव कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार मुकदमों का सामना कर रहे मराठी भाषी लोगों को कानूनी सहायता देगी, उनके लिए वकील नियुक्त करेगी और पूरी प्रक्रिया का खर्च भी उठाएगी।

पेट्रोल टैंकर के पेड़ से टकराने से लगी आग, दो वाहन पूरी तरह जले

बेंगलूरु। बेंगलूरु में बृहस्पतिवार को पेट्रोल से भरे एक टैंकर के पेड़ से टकराने के बाद उसमें आग लग गई और आग दूध के टैंकर तक फैल गई, जिससे दोनों गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 9:45 बजे बेंगलूरु ग्रामीण जिले के डोड्डाबल्लापुरा के पास हुई। पुलिस के मुताबिक, पेट्रोल टैंकर एक पेड़ से टकराया, जिससे उसमें आग लग गई और आग ने तेजी से नजदीक मौजूद दूध के टैंकर को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना में दोनों गाड़ियां पूरी तरह जल गईं।

पुलिस दुर्घटना के सही कारण की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या पेट्रोल टैंकर किसी दूसरे ट्रक से आमने-सामने की टक्कर से बचने की कोशिश में पेड़ से टकराया था। उसने बताया कि दोनों चालक अपनी-अपनी गाड़ियों से कूदकर सुरक्षित बच निकले।

सांप्रदायिक सामग्री परोसने के आरोप में सात न्यूज पोर्टल के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुत्तुर। दक्षिण कन्नड़ के पुत्तुर कस्बे में पुरुषराकट्टे में बुधवार को घटित एक घटना के संबंध में कथित तौर पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर हिंदू-मुस्लिम संघर्ष के तौर पर पेश करने के लिए सात वेब न्यूज पोर्टल और सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। दक्षिण कन्नड़ जिला पुलिस द्वारा बृहस्पतिवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, पुत्तुर नगर पुलिस ने पुत्तुरु चावडी इंस्टाग्राम पेज, होसाडिगंटा, जूमिनटीवी डॉट ऑनलाइन, न्यूजफोकसकन्नड़ डॉट कॉम, उदयवाणी, प्रखरन्यूज डॉट कॉम और कर्नाटक पोर्टफोलियो ट्विटर पेज के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, इन न्यूज पोर्टल पर झूठा और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील संदेश सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप है जिससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता था। पीड़ित व्यक्तियों की शिकायतों पर यह मामला दर्ज किया गया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिला पुलिस सांप्रदायिक तौर पर भड़काऊ संदेश फैलाने में लिप्त व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। इन मामलों की जांच की जा रही है।

मंगलूरु में सड़क दुर्घटना में सीआईएसएफ जवान की मृत्यु

मंगलूरु। छुट्टी लेकर अपने गांव आए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान की मंगलूरु में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान सीताराम गौड़ा के रूप में हुई है। वह दक्षिण कन्नड़ जिले के कडाबा तालुक के कोइला गांव का निवासी था और जम्मू में केंद्रीय कारागार में तैनात था। पुलिस ने बताया कि गौड़ा छुट्टी लेकर तीन जुलाई को अपने गृह नगर आया था। सोमवार को वह एसआईआर से जुड़े दस्तावेज जमा करने अपने गांव गया था और वापस लौटते समय मंगलूरु में कदरी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत केपीटी इलाके में वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया।

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल सीआईएसएफ जवान को अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
TENDER NOTICE No. L7265565
Dated: 06.07.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिये ईनिविदाएं आमंत्रित करते हैं
संक्षेप में विवरण : (सप्लाई) - हेवी ड्यूटी रिवर्सिबल टाइप एस्केलेटर का डिज़ाइन, निर्माण, सप्लाई, टेस्टिंग और कमीशनिंग। मात्रा : 04 संख्या, टेंडर नंबर : L7265565
बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख : 06-08-2026 को सुबह 10.30 बजे तक।
अधिक जानकारी के लिए www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें।
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ हुब्बल्ली
PUB/284/AAZ/PRB/SWR/2026-27
आसानी से टिकट बुक करने, PNR स्टेटस जानने और रेलवे की अन्य सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: 05UBL2026-27
दिनांक: 03.07.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
01	उणकल - भाईरिदेवरकोप्पा मंडल के बीच किमी. 474/000-474/100 पर एलसी नं. 286 के लिए प्रस्तावित आरयूबी का निर्माण।	रु. 1,15,63,274.28
02	1) रेल सौधा, हुबली पर कार्मिक विभाग स्टाफ हॉल, कॉन्फ्रेंस हॉल, ऑफिसर्स चैंबर और शौचालय के लिए सुधारण। 2) हुबली विभाग: गदग-होटगी खंड: क्रमानुसार इंडी रोड - लाच्यान स्टेशनों पर किमी. 247/1-2 पर एलसी नं. 112 के बदले नियमित ऊंचाई सबवे का निर्माण।	रु. 26,41,636.14
03	1) हुबली स्टेशन पर पीएफ नं. 01 पर 175 मीटर (बचा हुआ) लंबाई दूर के लिए आईआरएस शेल्टर का प्रावधान। 2) धारवाड: प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण सुविधाएं के लिए सदृढीकरण। 3) हुबली: हुबली पर प्रस्तावित एस व टी प्रशिक्षण केंद्र का प्रस्तावित निर्माण। 4) लोंडा - वास्को-ड-गामा खंड में कैसलरॉक यार्ड (सीएलआर) पर किमी. 24/300-400 पर फुट ओवर ब्रिज (सीएलआर-54ए) का प्रस्तावित प्रतिस्थापन।	रु. 31,74,596.38

उपरोक्त निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 03.08.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
सहायक मंडल सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर पश्चिम/हुबली
PUB/283/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

एचएमटी भूमि विवाद : एचडी कुमारस्वामी ने मंत्री ईश्वर खंड्रे पर पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग और स्टील मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि एचएमटी की ज़मीन का जंगल विभाग से कोई लेना-देना नहीं है। जंगल विभाग का उस ज़मीन पर कोई अधिकार नहीं है। अगर ज़रूरी हो, तो जो लोग इस बारे में बात कर रहे हैं, उन्हें कागज़ात चेक करने चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने एचएमटी की ज़मीन के अधिग्रहण के संबंध में एक जंगल अधिकारी द्वारा जारी नोटिस के बारे में मंत्री ईश्वर खंड्रे के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई; पूर्व जंगल मंत्री को एचएमटी की ज़मीन में इतनी ज़्यादा दिलचस्पी क्यों है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वे यह दिलचस्पी क्यों दिखा रहे हैं। गुरुवार को बेंगलूरु में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने एचएमटी ज़मीन को लेकर पूर्व वन मंत्री ईश्वर खंड्रे पर कड़ा हमला किया।

केंद्रीय मंत्री ने पूछा एचएमटी ज़मीन के बारे में इतनी बातें करने वाले खंड्रे ने कहा कि जक्कुर एविएशन ट्रेनिंग सेंटर एचएमटी ज़मीन के ठीक बगल में है। उसके सामने जक्कुर प्लांटेशन में कई लोगों ने घर बनाए और खरीदे हैं। वहां बहुत सारी जंगल की ज़मीन है। आपने कहा कि हमारा लक्ष्य 444 एकड़ ज़मीन पर बायोलॉजिकल पार्क बनाना है। आपने कहा कि हम महल की ज़मीन पर कब्ज़ा कर लेंगे। अगर आप वहां देखें, तो हर जगह कल्याणी मंडप खड़े हैं। आपने उन कल्याण मंडपों को किस आधार पर इजाज़त दी? क्या बायोलॉजिकल पार्क बनाने का आपका यही मतलब है, खंड्रे? एचएमटी ज़मीन को लेकर राज्य सरकार और राज्य सरकार के बीच विवाद है। इसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो रही है। इसके अलावा, देश की शान रहे एचएमटी को फिर से शुरू करने के लिए पैकेज की घोषणा की प्रक्रिया आखिरी स्टेज में है। ऐसे में राज्य के वन विभाग ने ज़मीन खाली करने का ऑर्डर दिया है। केन्द्रीय मंत्री ने गुस्सा जताया कि सरकारी नौकरी से रिटायरमेंट से ठीक 15 दिन पहले ज़मीन सरेंडर करने का ऑर्डर गैर-कानूनी तरीके से जारी किया गया।

उन्होंने कहा कि एचएमटी ज़मीन को लेकर कोई कन्फ्यूज़न नहीं है। हमारे पास इससे जुड़े सभी डॉक्यूमेंट्स हैं। एचएमटी की ज़मीन को किसी भी वजह से हाथ नहीं लगाया जा सकता। कोर्ट का ऑर्डर भी जारी हो चुका है।

कुमारस्वामी ने सवाल करते हुए कहा कि इतनी बातें करने वाले ईश्वर खंड्रे ने वन विभाग रहते हुए दो साल तक ज़मीन कहाँ बचाई? उन्होंने बड़े पैमाने पर वन भूमि लूटी है। खंड्रे, क्या आप मुझे थोड़ा बता सकते हैं कि वह सब कब वापस मिलेगा? मंत्री ने कहा कि वह सिर्फ़ एचएमटी और कुद्रेमुख के बारे में ही क्यों बात कर रहे हैं, जिन्हें फेडरल सिस्टम की कोई जानकारी नहीं है? उन्होंने राज्य सरकार को चैलेंज किया कि पहले दूसरों को दी गई ज़मीन वापस दिलाने का काम करें। उन्होंने कहा कि ईश्वर खंड्रे, मुझे आपसे सीखने की ज़रूरत नहीं है। एचएमटी की जगह पर बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्स और अपार्टमेंट बन गए हैं। मुझे पता है कि अपार्टमेंट में कौन रह रहा है। कुमारस्वामी ने पूछा, पिछले तीन सालों में आपने इस बारे में क्या चेक किया है? उन्होंने कहा कि पहले, प्राइवेट लोगों ने जो ज़मीन लूटी है, उसे वापस लो।

'जन नायकन' को 'ए' सर्टिफिकेट मिला

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से ए' प्रमाणपत्र मिल गया है। फिल्म उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, 'थीरन अधिगारम ओन्द्रु' और 'नेरकोंडा पारवाई' जैसी फिल्मों के लिए चर्चित निर्देशक एच. विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म को करीब सात महीने चली प्रक्रिया के बाद सेंसर प्रमाणपत्र मिला। एक सूत्र ने बताया कि फिल्म 24 जुलाई से तमिलनाडु के करीब 1,000 सिनेमाघरों में प्रदर्शित की संभावना है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: LC-GATES-TWS-26-27-02
दिनांक: 03.07.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुबली मंडल में, **उप कार्य-1:** शेडबाल स्टेशन पर पॉइंट एफसीओआर सर्किट के साथ-साथ टॉवर वैगन साइडिंग के काम के सिलसिले में मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (क्योसान मेक) में बदलाव। **उप कार्य-2:** मुनिराबाद यार्ड में एलसी गेट नं. 79; अन्नगेरी स्टेशन पर एलसी गेट नं. 18; होसापेटे जंक्शन स्टेशन पर एलसी गेट नं. 85; तवरगट्टी स्टेशन पर एलसी गेट नं. 331; और हुलकोटी यार्ड में एलसी गेट नं. 26 को बंद करने के सिलसिले में मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (मेधा मेक) में बदलाव। इसमें एनडीकेआर/आरडीकेआर सर्किट, पॉइंट एफसीओआर सर्किट के लिए सर्किट में बदलाव और रेलवे की ज़रूरत के अनुसार किए जाने वाले कोई भी अन्य छोटे-मोटे बदलाव भी शामिल हैं। **उप कार्य-3:** बादामी यार्ड में एलसी गेट नं. 34 और गुलेदागुड्डा रोड यार्ड में एलसी गेट नं. 41 को बंद करने के सिलसिले में मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (सीमेन्स मेक) में बदलाव। इसमें एनडीकेआर/आरडीकेआर सर्किट, पॉइंट एफसीओआर सर्किट के लिए सर्किट में बदलाव और रेलवे की ज़रूरत के अनुसार किए जाने वाले कोई भी अन्य छोटे-मोटे बदलाव भी शामिल हैं। **उप कार्य-4:** कुश्टगी और लिंगनाबंडी स्टेशनों के बीच इंटरलॉक किए गए इंजीनियरिंग एलसी गेट नं. 1बी; मडगांव और चंदर गोवा स्टेशनों के बीच एलसी गेट नं. 19; व्यास कॉलोनी और हगारीबोम्मनहल्ली स्टेशनों के बीच एलसी गेट नं. 35; और बेल्लारी कैंट और बेल्लारी स्टेशनों के बीच ट्रैफिक एलसी गेट नं. 111 को बंद करना।	रु. 7,02,05,286.65

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 27.07.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण हुबली
PUB/282/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

सुविचार

शांति बाजार में नहीं मिलती, यह केवल आपके भीतर के विचारों के मौन से पैदा होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घटते नैतिक मूल्य और रिश्तों पर संकट

राजस्थान के जयपुर शहर में एक युवती द्वारा सरकारी नौकरी और जायदाद हासिल करने के लिए 'सुपारी' देकर अपनी मां की हत्या करवाने का मामला समाज में घटते नैतिक मूल्यों और रिश्तों पर संकट को दर्शाता है। कहीं कोई युवती अपने मंगेतर को पहाड़ी से धक्का दे रही है, कोई अपने पति की जीवन लीला समाप्त कर उसे नीले ड्रम में भर रही है, तो कोई हनीमून पर हत्याकांड को अंजाम दे रही है। महिलाओं को भी दहेज के नाम पर बहुत प्रताड़ित किया जा रहा है। ये घटनाएं हमें संकेत दे रही हैं कि हमारे पारिवारिक एवं सामाजिक ताने-बाने में कुछ समस्याएं आ गई हैं, जिनकी ओर हमें ध्यान देना चाहिए। जयपुर में जिस युवती पर अपनी मां की हत्या करवाने का आरोप लगा है, वह उच्च शिक्षित है। उसने सिर्फ 23 साल की उम्र में इतने जघन्य हत्याकांड की साजिश कैसे रच ली? क्या ऐसे लोगों को कानून का कोई डर नहीं है? कानून से पहले तो ईश्वर का डर होना चाहिए। उसका न्याय अटल है। अगर यह युवती कानून को धोखा देकर अपनी मां की जगह सरकारी नौकरी हासिल कर भी लेती तो उसे कर्मफल जरूर भोगना पड़ता। कुछ स्टैंडअप कॉमेडियन कर्मफल का मजाक उड़ाने के लिए हल्के शब्दों का प्रयोग करते हैं, जबकि यह बहुत गंभीर विषय है। युवाओं को इस मामले में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि उनके सामने पूरा जीवन है। भावावेश या गुमराही में लिया गया एक गलत फैसला सबकुछ बर्बाद कर सकता है। देश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए केंद्र सरकार को कुछ जरूरी कदम उठाने होंगे। भारत में जिस तरह सरकारी नौकरियों का अति-महिमामंडन किया जा रहा है, वह ठीक नहीं है। कई लोगों ने इसे जीवन-मरण का प्रश्न बना लिया है। वे दस-दस साल सरकारी नौकरी की तैयारी में लगा देते हैं।

हम भारत को विकसित देश बनाने की बातें करते हैं, लेकिन सरकारी नौकरियों के लिए इतना जुनून किसी भी विकसित देश में देखने को नहीं मिलता है। वहां जितनी सरकारी नौकरियां हैं, उनके साथ जवाबदेही भी है। भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई होती है। भारत सरकार युवाओं को पढ़ाई के साथ ऐसे कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित करे, जिनके जरिए वे भविष्य में कमाई कर सकें। सिर्फ सरकारी नौकरियों के भरोसे बैठकर देश को अमेरिका, चीन, जापान की तरह विकसित नहीं बनाया जा सकता। सरकार को सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसे वीडियो पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, जिनमें किसी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी का राजा-महाराजा की तरह बखान किया जाता है। इन वीडियो में संगीत की जोशीली धुन के साथ उस व्यक्ति के वाहनों के काफिले, अपने वाहन से उसके नीचे उतरने के तरीके, सीढ़ियां चढ़ने के तरीके, कुर्सी पर बैठने के ढंग आदि को ऐसे दिखाया जाता है, जैसे ये सर्वशक्तिमान हों। पिछले कुछ वर्षों में इनके साथ 'दबंग', 'सिंघम' जैसे शब्द धड़ल्ले से लिखे जा रहे हैं। यह सब क्या है? कहीं ये अधिकारी-कर्मचारी ही अपने वीडियो किसी से बनवाकर खुद को सेलिब्रिटी की तरह पेश नहीं कर रहे हैं? सरकार को इसकी जांच करनी चाहिए। जयपुर की घटना ने एक और बात साबित कर दी- अगर पुलिस ध्यान देकर तफ्तीश करे तो वह अपराध की जड़ तक पहुंच सकती है। इस हत्याकांड में सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से कड़ियां जुड़ती गईं। आखिर में आरोपियों के चेहरों से नकाब उतर गए। कोई व्यक्ति कितना ही शातिर क्यों न हो, अगर वह अपराध करेगा तो उससे कहीं-न-कहीं गलती होगी। अक्लमंद और अनुभवी जांचकर्ता उसे पकड़ सकता है, क्योंकि सत्य की खोज में ईश्वर भी उसकी मदद करता है।

ट्वीटर टॉक

'ज्ञान, चरित्र और एकता' के पवित्र मंत्र के साथ देशभक्त, जागरूक और संस्कारी युवा शक्ति बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं और छात्रों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं!

-भजनलाल शर्मा

ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर-जनरल, माननीय सैम मोस्टिन से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मज़बूत और लंबे समय तक चलने वाले रिश्तों पर चर्चा की, जो हमारे साझा मूल्यों, लोगों के बीच मज़बूत रिश्तों और अलग-अलग सेक्टर में बढ़ते सहयोग पर आधारित हैं।

-नरेन्द्र मोदी

सुवर्ण सौधा में हुई बेलगावी डिवीज़न लेवल की प्रोग्रेस रिव्यू मीटिंग में सीएसआर स्कूल बनाने, लोगों के लिए बेहतर शासन, वोटरों के अधिकारों की सुरक्षा और गरीबों के लिए घर के इंतज़ाम जैसे कई विषयों पर चर्चा हुई और अधिकारियों को दिए गए।

-डीके शिवकुमार

प्रेरक प्रसंग

फकीरी का सुख

बलख के बादशाह इब्राहिम अदहम बलखी ने मानव जाति की सेवा के लिए बादशाही त्यागकर फकीरी ले ली थी। लोग हैरान थे कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। लोग उन्हें 'हजरत' कहने लगे। एक दिन हजरत इब्राहिम नदी के किनारे बैठे हुए गुदड़ी-सी रहे थे। तभी कुछ लोग वहां पहुंचे। उनमें से एक ने उनसे पूछा, 'हजरत, आपने अच्छी भली बादशाही छोड़कर फकीरी क्यूं अपना ली? फकीरी में ऐसा क्या मजा है?' यह सुनकर हजरत हंसे, फिर उन्होंने वह सूई पानी में फेंक दी, जिससे गुदड़ी-सी रहे थे। फिर पानी की ओर मुंह करके बोले, 'प्यारी-प्यारी मछलियों, देखो मेरी सूई पानी में गिर पड़ी है, ला दो जरा।' कुछ ही क्षणों में बेशुमार मछलियों के सिर पानी के ऊपर उभर आये। सबके मुंह में एक-एक सूई थी। यह देखकर हजरत ने रंग-बिरंगी, नन्ही-नन्हीं मछलियों से कहा, 'इतनी सूइयों का क्या करूंगा मैं? मुझे तो बस मेरी ही सूई ला दो।' यह सुन एक सुनहरी मछली ने पानी में डुबकी मारी और चंद मिनटों में ही वह असल सूई ले आयी तथा हजरत के चरणों में उगल दी। तमाम लोग स्तब्ध रह गये। तब हजरत ने प्रश्नकर्ता से प्रश्न किया, 'अब तुम्हीं बताओ वह बादशाही भली थी या यह फकीरी? भला मछलियों को मुझ से क्या लेना है?

सामयिक

भारतीय वायुसेना की बढ़ती ताकत

महेन्द्र तिवारी

भारतीय वायुसेना को लेकर हाल ही में सामने आई विश्व स्तर की रैंकिंग ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, संचालन क्षमता, प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रणनीतिक तैयारी से जीते जाते हैं। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट यानी डब्ल्यूडीएमएमए द्वारा जारी नवीनतम ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग में भारत को चीन से ऊपर स्थान दिया गया है। यह उपलब्धि केवल एक रैंकिंग भर नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से भारतीय वायुसेना द्वारा किए जा रहे आधुनिकीकरण, बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और परिचालन क्षमता में निरंतर सुधार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता भी है। डब्ल्यूडीएमएमए ने 103 देशों की 129 सैन्य वायु इकाइयों तथा लगभग 48,082 सैन्य विमानों का अध्ययन करके यह मूल्यांकन तैयार किया है। इसमें केवल विमानों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक युद्ध क्षमता, रखरखाव, उपलब्धता, तकनीकी स्तर, प्रशिक्षण, हथियार प्रणाली, लॉजिस्टिक सहायता और भविष्य की क्षमता जैसे अनेक पहलुओं को शामिल किया गया है।

रैंकिंग में अमेरिका की वायुसेना पहले स्थान पर है और उसके बाद अमेरिकी नौसेना तथा रूस की वायुसेना का स्थान आता है। इसके बाद अमेरिकी सेना और मरीन कॉर्प्स की विमानन शाखाएं हैं। भारतीय वायुसेना छठे स्थान पर है जबकि चीन की वायुसेना सातवें स्थान पर है। पहली नजर में यह परिणाम कई लोगों को चौंकाने वाला लग सकता है क्योंकि चीन के पास भारत की तुलना में कहीं अधिक संख्या में सैन्य विमान हैं। फिर भी भारत को आगे रखा गया है। इसका कारण यह है कि आधुनिक सैन्य मूल्यांकन में केवल संख्या निर्णायक नहीं होती। किसी भी वायुसेना की वास्तविक ताकत इस बात से तय होती है कि वह अपने विमानों का कितनी प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकती है, उसके पायलट कितने प्रशिक्षित हैं, उसकी युद्धक रणनीति कितनी मजबूत है और वह किसी भी संकट की स्थिति में कितनी तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम है।

भारतीय वायुसेना की सबसे बड़ी विशेषता उसका व्यापक परिचालन अनुभव है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक युद्धों, सीमित सैन्य अभियानों, आतंकवाद विरोधी अभियानों तथा मानवीय राहत कार्यों में अपनी वायु शक्ति का सफल उपयोग किया है। चाहे 1971 का युद्ध हो, कारगिल संघर्ष हो या हाल के वर्षों में सीमा पर उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियां, भारतीय वायुसेना ने समय पर, सटीक और प्रभावी कार्रवाई करके अपनी क्षमता का परिचय दिया है। इस लंबे अनुभव ने उसे केवल तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि रणनीतिक रूप से भी अधिक परिपक्व बनाया है। भारत ने पिछले एक दशक में वायुसेना के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। आधुनिक लड़ाकू विमान, लंबी दूरी की मिसाइलें, उन्नत रडार, नेटवर्क आधारित युद्ध प्रणाली, स्वदेशी तकनीकों का बढ़ता उपयोग और निगरानी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार ने भारतीय वायुसेना को नई शक्ति प्रदान की है। फ्रांस से प्राप्त राफेल लड़ाकू विमानों ने भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। इनके साथ आधुनिक मिसाइल प्रणालियां और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली भी जुड़ी हुई हैं, जिससे किसी भी संभावित संघर्ष में भारत की प्रतिक्रिया क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमान भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत की भौगोलिक स्थिति भी उसकी वायु रणनीति को विशेष महत्व देती है। एक ओर पाकिस्तान की सीमा है तो दूसरी ओर चीन जैसी बड़ी सैन्य शक्ति। उत्तर में ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र, पश्चिम में रेगिस्तान, पूर्वोत्तर के कठिन पर्वतीय इलाके और दक्षिण में विशाल समुद्री क्षेत्र भारतीय वायुसेना के सामने विविध प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी वायुसेना को बहुआयामी क्षमता विकसित करनी पड़ती है। भारतीय वायुसेना ने इन सभी परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षण और संसाधनों का विकास किया है। यही कारण है कि उसकी परिचालन क्षमता को विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है।

चीन के पास विमानों की संख्या अधिक होने के बावजूद भारत का आगे आना यह भी दर्शाता है कि आधुनिक युद्ध में गुणवत्ता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। किसी देश के पास हजारों विमान होने से वह स्वतः सबसे शक्तिशाली नहीं बन जाता। यदि उन विमानों का रखरखाव, प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और युद्ध के समय उनका समन्वित उपयोग प्रभावी नहीं है तो संख्या का लाभ सीमित हो जाता है। थउन्नच- का मूल्यांकन इसी व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित है। इसी कारण भारतीय वायुसेना को उसके वास्तविक परिचालन प्रदर्शन और समग्र युद्ध क्षमता के आधार पर बेहतर स्थान मिला है। हालांकि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां भी मौजूद हैं। भारतीय वायुसेना लंबे समय से अपने स्वीकृत लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या से कम स्क्वाड्रनों के साथ कार्य कर रही है। पुराने लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से हटाया जा रहा है और उनकी जगह नए विमानों की आवश्यकता लगातार बनी हुई है। आने वाले वर्षों में तेजस के नए संस्करण, उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान कार्यक्रम और पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान परियोजना जैसे कार्यक्रमों की सफलता भारत की वायु शक्ति को और अधिक मजबूत बनाएगी।

यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी वैश्विक रैंकिंग को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। विभिन्न संस्थाएं अलग-अलग मानकों के आधार पर मूल्यांकन करती हैं और उनके निष्कर्ष भी अलग हो सकते हैं। फिर भी यदि किसी प्रतिष्ठित संस्था द्वारा भारत की वायु शक्ति को चीन से बेहतर आंका गया है तो यह भारतीय वायुसेना की पेशेवर क्षमता, अनुशासन, प्रशिक्षण और तकनीकी दक्षता का महत्वपूर्ण संकेत अवश्य है। यह उपलब्धि संतोष का विषय है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य मानने के बजाय आगे की तैयारी का आधार बनाया जाना चाहिए। आने वाले वर्षों में भारत को अपने लड़ाकू विमान बेड़े का विस्तार, आधुनिक मिसाइल प्रणालियों का समावेश, स्वदेशी विमान निर्माण, ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली और अंतरिक्ष आधारित सैन्य क्षमताओं पर निरंतर निवेश करना होगा। यदि यह गति बनी रहती है तो भारतीय वायुसेना न केवल एशिया बल्कि विश्व की सबसे प्रभावशाली वायु सेनाओं में और मजबूत स्थान प्राप्त कर सकती है। वर्तमान रैंकिंग यह संदेश देती है कि आधुनिक युद्ध की दुनिया में केवल संसाधनों का आकार नहीं बल्कि उनकी गुणवत्ता, तैयारी, रणनीतिक सोच और निरंतर नवाचार ही किसी राष्ट्र को वास्तविक शक्ति प्रदान करते हैं। भारत ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं और यही उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

नजरिया

सरहद पार की साज़िश और आंतरिक सुरक्षा की नई चुनौतियाँ

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

भारत के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतें कभी सोती नहीं हैं; वे लगातार अपनी रणनीतियां बदल रही हैं। सरहद पार बैठे आकाओं के मंसूबों को नाकाम करने के लिए हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अपराधियों से दो कदम आगे रहना होगा। दवा स्टोर के कैशियर की जान तो वापस नहीं आ सकती, लेकिन उनकी मौत की जांच से जो सच बाहर आया है, उसने देश को एक बड़े खतरे के प्रति सचेत कर दिया है।

आज की ताजा खबर है कि चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर-11 के एक दवा स्टोर के कैशियर जानकी दास की हत्या की जांच के दौरान पाकिस्तान समर्थित आईएसआई के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नार्को-टेरर और फेक करेंसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पंजाब के सीमावर्ती जिलों (तरनतारन और अमृतसर) में छापेमारी कर इस सिंडिकेट से जुड़े तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल अक्सर जो अपराध सतही तौर पर स्थानीय रंजिश या लूटपाट की आम घटना दिखाई देते हैं, उनकी जड़ें देश की सीमाओं के पार तक फैली होती हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर-11 में एक दवा स्टोर के कैशियर (जानकी दास) की नृशंस हत्या की जांच के दौरान चंडीगढ़ पुलिस ने जिस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है, वह इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। इस हत्याकांड के सुरागों का पीछा करते हुए क्राइम ब्रांच जब पंजाब के सीमावर्ती जिलों-तरनतारन और अमृतसर-तक पहुँची, तो एक ऐसा खौफनाक मंज़र सामने आया जिसने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है।यह केवल एक साधारण आपराधिक गिरोह नहीं था, बल्कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा पोषित एक बड़ा 'नार्को-टेरर' (मादक पदार्थ-आतंकवाद) और जाली नोटों का नेटवर्क था। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन (नशीला पदार्थ), 8 लाख के नकली नोट, और अवैध हथियार बरामद होना यह साबित करता है कि भारत के खिलाफ सीमा पार से जारी 'प्रॉक्सी वॉर' (छद्म युद्ध) ने अब नया और अधिक घातक रूप अख्तियार कर लिया है।

देखने वाली बात यह है कि पिछले कुछ दशकों में आतंकवाद का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। अब यह केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 'हाइब्रिड वॉरफेयर' के रूप में लड़ा जा रहा है। नार्को-टेररिज्म इस रणनीति का सबसे खतरनाक हथियार है।इसके तहत एक तरफ सीमा पार से ड्रग्स भेजकर भारत की युवा पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला किया जाता है, तो दूसरी तरफ उसी ड्रग्स की बिक्री से मिलने वाले काले धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों, हथियारों की खरीद और स्लीपर सेल्स को फंडिंग देने के लिए किया जाता है।इस विशिष्ट मामले में नशीले पदार्थों के साथ 'फेक इंडियन करेंसी नोट' (ऋखउछ) की बरामदगी यह दर्शाती है कि दुश्मन देश भारत की आर्थिक संप्रभुता पर भी समानांतर प्रहार कर रहा है। बाजार में नकली नोटों को खपाकर भारतीय मुद्रा की साख को कमजोर करने और महंगाई व अस्थिरता पैदा करने की यह एक सोची-समझी साज़िश है। चंडीगढ़ पुलिस की जांच में जो सबसे चिंताजनक पहलू सामने आया है, वह है इस नेटवर्क द्वारा सीमा पार से तस्करी के लिए ड्रोन तकनीक का धड़ल्ले से इस्तेमाल। पंजाब की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि कटीले तारों और चौबीस घंटे की बीएसएफ (इड्ऋ) की चौकसी के बावजूद, आसमान के रास्ते को पूरी तरह सील करना एक बड़ी चुनौती बन गया है। पाकिस्तान में बैठे आका रात के अंधेरे में आधुनिक, कम आवाज वाले ड्रोनों के जरिए जीपीएस कोऑर्डिनेट्स का उपयोग कर हेरोइन, मेथामफेटामाइन और जाली नोटों के पैकेट भारतीय सीमा के भीतर गिरा देते हैं।स्थानीय स्तर पर 'ड्रॉप' उठाने वाले कूरियर सुरक्षा एजेंसियों के रडार से बचने के लिए अत्यधिक एनक्रिप्टेड डिजिटल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। इस केस में गिरफ्तार आरोपी-गुरमीत सिंह उर्फ बादशाह, आकाश कुमार और सचिन सिलवेस्टर-इसी कॉपरेटिव नेटवर्क के प्यादे थे, जो तकनीक के सहारे देश विरोधी ताकतों के एजेंडे को जमीन पर उतार रहे थे।

इस पूरे खुलासे का सबसे स्याह और डरावना पहलू यह है कि इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का मुख्य सूत्रधार या रणनीतिकार कोई बाहर घूम रहा अपराधी नहीं, बल्कि जेल की सलाखों के पीछे बंद गैंगस्टर धर्मिंदर सिंह उर्फ गोली है। यह घटना भारतीय कारागारों की सुरक्षा और प्रबंधन पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। एक खूंखार अपराधी जेल के भीतर बैठकर मोबाइल फोन, इंटरनेट और एनक्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पाकिस्तान में आईएसआई के हैंडलर्स और बाहर जमीन पर सक्रिय अपने गुर्गों के बीच पुल का काम कर रहा था।जेलों का 'क्राइम हब' में बदल जाना यह दिखाता है कि तकनीक के इस दौर में हमारे जेल प्रशासन के पास या तो आधुनिक जैमर्स और सर्विलांस उपकरणों की कमी है, या फिर भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि देश की सुरक्षा दांव पर लगा दी जाती है। जब तक जेलों से गैंगस्टरों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाएगा, तब तक बाहर सड़क पर पुलिस की हर कामयाबी अधूरी रहेगी। गौरतलब है कि पंजाब ने अस्सी और नब्बे के दशक में उग्रवाद का एक लंबा और काला दौर देखा है। बड़ी कुर्बानियों के बाद वहां शांति बहाल हुई थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से 'उड़ता पंजाब' की जो छवि बनी है, वह इसी नार्को-टेरर का परिणाम है। चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन सीमावर्ती जिलों में की गई छापेमारी बताती है कि इन क्षेत्रों में इस नेटवर्क की जड़ें कितनी गहरी हो चुकी हैं। बेरोजगार युवाओं को पैसों का लालच देकर इस दलदल में धकेला जा रहा है।आज का सबसे बड़ा खतरा यह है कि स्थानीय अपराधियों और वैचारिक रूप से प्रेरित आतंकवादियों के बीच की लकीर मिट चुकी है। अपराधी अब केवल फिरौती या डकैती नहीं कर रहे, बल्कि वे विदेशी ताकतों के हाथों के खिलौने बनकर देश के खिलाफ देशद्रोह के मामलों में सीधे शामिल हो रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में चंडीगढ़ पुलिस की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। एक स्थानीय हत्या के मामले को केवल एक 'ब्लाइंड मर्डर' मानकर फाइल बंद करने के बजाय, पुलिस ने इसके पीछे छिपे वृहद पैटर्न को समझा। चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस ने पंजाब पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की। आरोपियों के फोन रिकॉर्ड्स, वित्तीय लेनदेन और कॉल डेटा के विश्लेषण से ही इस सिंडिकेट का पर्दाफाश संभव हो सका। यह आधुनिक पुलिसिंग का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे डेटा और तकनीक का सही इस्तेमाल कर बड़े से बड़े सिंडिकेट को तोड़ा जा सकता है।

इस खुलासे ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने कुछ अनिवार्य और कड़े कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित किया है:जैसे देश की सभी संवेदनशील जेलों में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' आधारित सर्विलांस, आधुनिक 5ऋ जैमर्स और नियमित औचक निरीक्षण अनिवार्य किए जाएं। जेल के भीतर मोबाइल का मिलना एक अक्षम्य राष्ट्रीय सुरक्षा अपराध माना जाना चाहिए।भारत-पाकिस्तान सीमा पर 'एंटी-ड्रोन सिस्टम' और लेजर फेंसिंग को बड़े पैमाने पर तैनात करने की गति तेज करनी होगी, ताकि आसमान से होने वाली इस अवैध सप्लाई चेन को हवा में ही नष्ट किया जा सके।इस नार्को-टेरर नेटवर्क की कमर तब तक नहीं टूटेगी जब तक इनके वित्तीय साम्राज्य को नेस्तनाबूद नहीं किया जाता। ईडी और एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियों को इस सिंडिकेट की संपत्तियों को कुर्क करना चाहिए और हवाला नेटवर्क को ध्वस्त करना चाहिए।ड्रग्स और आतंकवाद का कोई राज्य नहीं होता। इसके लिए पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ को मिलाकर एक संयुक्त, स्थायी 'नार्को-टेरर इंटेलिजेंस ग्रिड' बनाने की जरूरत है, जहां रीयल-टाइम सूचनाएं साझा की जा सकें। अब यह चंडीगढ़ पुलिस का यह खुलासा एक गंभीर चेतावनी है। यह हमें याद दिलाता है कि भारत के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतें कभी सोती नहीं हैं; वे लगातार अपनी रणनीतियां बदल रही हैं। सरहद पार बैठे आकाओं के मंसूबों को नाकाम करने के लिए हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अपराधियों से दो कदम आगे रहना होगा।दवा स्टोर के कैशियर की जान तो वापस नहीं आ सकती, लेकिन उनकी मौत की जांच से जो सच बाहर आया है, उसने देश को एक बड़े खतरे के प्रति सचेत कर दिया है। अब समय आ गया है कि नार्को-आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को केवल बयानों में नहीं, बल्कि जमीन पर अत्यंत आक्रामकता के साथ लागू किया जाए। देश की संप्रभुता, युवाओं के भविष्य और हमारी आर्थिक स्थिरता की रक्षा के लिए इस पूरे नेटवर्क की जड़ों में तेजाब डालना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रामायण परंपरा के विद्वानों और कलाकारों को दिया जाएगा 'रामायणी सम्मान'

वाराणसी/भाषा। रामायण रिसर्च काउंसिल भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, साहित्य एवं प्रभु श्रीराम के आदर्श-पथ पर चलने वाली विभूतियों को 'रामायणी सम्मान' प्रदान करेगी। एक बयान में यह जानकारी दी गयी। काउंसिल के न्यासी और सेवानिवृत्त आईएएस अफसर डॉक्टर देवदत्त शर्मा ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि यह सम्मान श्रीराम चरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के अवसर पर आगामी 18 अगस्त को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय आयोजन के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में रामायण परंपरा के संरक्षण, संवर्धन, अनुसंधान, साहित्य-सृजन, कथा-वाचन, संगीत, सांस्कृतिक जागरण तथा सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को चिह्नित कर प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाएगा।

शर्मा ने बताया कि सम्मान की प्रमुख श्रेणियों में रामायण शोध सम्मान, रामकथा वाचन सम्मान, रामायण साहित्य सम्मान, रामायण संगीत सम्मान, बाल रामायणी सम्मान, राष्ट्रसेवक रामायणी सम्मान तथा श्रीरामपथिक सम्मान सहित रामायण परंपरा के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान से संबंधित अन्य श्रेणियां सम्मिलित की जाएंगी।

काउंसिल के महासचिव कुमार सुशांत ने कहा कि इस आयोजन का मूल उद्देश्य रामायण के व्यापक वाङ्मय और उसकी विविध जीवंत परंपराओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक विमर्श में प्रतिष्ठित करना, भारतीय ज्ञान परंपरा के संवाहकों को सम्मानित करना तथा नई पीढ़ी को रामायण साहित्य, संस्कृति, जीवन-मूल्यों और शोध-परंपरा से जोड़ना है।

ऑस्ट्रेलिया लौटाएगा भारत से जुड़ी तीन प्राचीन कलाकृतियां

मेलबर्न/भाषा। ऑस्ट्रेलिया, तमिलनाडु से जुड़ी तीन प्राचीन कलाकृतियां भारत को लौटाएगा। इनमें नंदी की पत्थर की मूर्ति भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के उनके समकक्ष एंथनी अल्बनीज ने इन सांस्कृतिक धरोहरों को स्वेच्छा से भारत को लौटाए जाने का स्वागत किया। तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में एक दिन पहले मेलबर्न पहुंचे मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां प्रधानमंत्री अल्बनीज की मेजबानी में आयोजित तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया सालाना शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। दोनों नेताओं ने आमने-सामने बातचीत की और उसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। उन्होंने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के छह साल सफलतापूर्वक पूरे होने का स्वागत किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की सरकार भारत के साथ सांस्कृतिक सहयोग को और गहरा कर रही है, ताकि हमारे मजबूत रिश्तों और लोगों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत किया जा सके। एक बयान में कहा गया कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलिया की नेशनल गैलरी और न्यू साउथ वेल्स की आर्ट गैलरी के संग्रह में रखी भारत की सांस्कृतिक महत्व की कई धरोहरों को स्वेच्छा से लौटाने की घोषणा की।

विरोध

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में गुरुवार को शिक्षक संघ द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में शामिल शिक्षक। यह प्रदर्शन 'एसआईआर' के तहत लागू किए गए कड़े नियमों के खिलाफ किया गया।

बिग बी ने फैंस को दी सलाह, गलतियों को स्वीकार करें और उनसे सीखें

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने हालिया ब्लॉग के जरिए सीखने, आत्मचिंतन और जीवन में गलतियों को स्वीकार करने के महत्व पर बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने कहा कि हर दिन एक नई सीख लेकर आता है और व्यक्ति को हमेशा नई चीजों को सीखने और खुद को बेहतर समझने के लिए तैयार रहना चाहिए। हर दिन काम की व्यस्तताओं के बाद बिग बी अपने फैंस (एक्सटेंडेड फैमिली) के नाम एक लंबा ब्लॉग लिखते हैं जिसमें उनके विचार, दिनभर के अनुभव और पुरानी यादें शामिल होती हैं। अपने हालिया ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा, हर दिन हमें कुछ नया सिखाता है। हर दिन नई सीख और नए अनुभव लेकर आता है। हर दिन उन नए मौकों के लिए खास होता है, जो हमें बदलाव को अपनाने और आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। सीखना सबसे बड़ी ताकत है। जो बातें हमें पहले नहीं पता थीं और जिन्हें केवल विशेषज्ञ जानते थे, उन्हें भी हमें सीखने की कोशिश करनी चाहिए। जिन लोगों के पास ज्ञान और अनुभव है, उनसे सीखते रहना ही आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है।

उन्होंने कहा कि खुद को समझने से बढ़कर कुछ नहीं होता। उन्होंने लिखा, आखिरकार सबसे ज्यादा मायने आपकी अपनी समझ, आपकी सोच और आपका अपना अनुभव रखता है। विशेषज्ञ

भी गलतियां कर सकते हैं, फिर उन्हें सुधारने की कोशिश करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं लेकिन जब आप अपने विवेक और अनुभव के आधार पर फैसला लेते हैं तो आपको अपने फैसलों पर बेहतर पकड़ होती है।

अगर कोई गलती होती भी है, तो कम से कम यह संतोष रहता है कि वह आपकी अपनी गलती थी।

उन्होंने कहा कि गलतियां करना गलत नहीं है, बल्कि उन्हें स्वीकार करना और उनसे सीखकर आगे बढ़ना सबसे महत्वपूर्ण बात है।उन्होंने लिखा, अपनी गलती स्वीकार करना गलत नहीं है। बल्कि यह आपके व्यक्तित्व और चरित्र को दर्शाता है।

एक बार जब आप अपनी गलती मान लेते हैं, तो उसकी वजह और उसके असर को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं और उस पर होने वाली बहस भी खत्म हो जाती है। उन्होंने कहा, किसी बात पर बहस करना गलत नहीं है लेकिन अगर सामने वाला आपकी बात मानने को तैयार न हो, जबकि आपको पूरा भरोसा हो कि आप सही हैं, तो बहस खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उससे कह दें, 'हो सकता है, आप ही सही हों।'

उन्होंने कहा, ऐसा कहने से सामने वाले को लगता है कि उसने बहस जीत ली है और आप बेवजह समय बर्बाद करने से बच जाते हैं। फिर आप उस समय को उन कामों में लगा सकते हैं, जिन पर आपको भरोसा है और जिनके बारे में आपको सही जानकारी है। वह काम सही भी हो सकता है और गलत भी, लेकिन वह आपका अपना फैसला होता है। उन्होंने लिखा, अगर बात दूसरे की है, तो उसे या उन्हें यह कह दीजिए। वे खुश हो जाएंगे और आप लंबी बहस में समय गंवाने से बच जाएंगे।

'महामृत्युंजय मंत्र' के जाप से रक्तचाप, हृदयगति संतुलित करने में मिल सकती है मदद

नई दिल्ली/भाषा। पांच मिनट तक 'शांति मंत्र' या 'महामृत्युंजय मंत्र' का जाप करने के बाद थोड़ी देर आराम करने से हृदय गति, रक्तचाप और हृदय पर पड़ने वाले भार को कम करने में मदद मिल सकती है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने अपने एक अध्ययन में यह दावा किया है। यह अध्ययन इस माह 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल एंड मेडिकल रिसर्च' में प्रकाशित हुआ। इस अध्ययन में भाग लेने वालों में मंत्रोच्चार करते समय हृदय रक्त परिसंचरण गतिविधि कुछ समय के लिए बढ़ गयी तथा उसके उपरांत पांच मिनट के विश्राम के पश्चात वे अपने आप में बहुत हल्का महसूस करने लगे। शोधकर्ताओं ने पाया कि शांति मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के जाप के बाद हृदयगति, रक्तचाप, 'रेट प्रेशर प्रोडक्ट' (आरपीपी) और डबल प्रोडक्ट (डीओपी) में काफी कमी आयी जो दिल पर काम के बोझ (कार्डियक वर्कलोड) को दिखाता है। आरपीपी दिल की ऑक्सीजन की ज़रूरत को बताता है। महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने वाले समूह में आराम करने के बाद सांस लेने की दर में भी काफी कमी देखी गई, जबकि ऑक्सीजन संतृप्तता, 'पल्स प्रेशर' या औसत रक्तचाप में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि निष्कर्ष बताते हैं कि मंत्रों का जाप करने से 'पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम' (शरीर की आराम और पाचन' संबंधी प्रतिक्रिया) सक्रिय हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप शरीर के स्वायत्त तंत्र में बेहतर संतुलन आ सकता है और हृदय एवं रक्त संचार तंत्र को आराम देने में मदद मिल सकती है। शांति मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र के जाप का शारीरिक क्रियाओं पर 'तत्काल प्रभाव' नामक यह अध्ययन एमडीएनआईवाई की सहायक प्रोफेसर (योग शिक्षा) डॉ. इंदु शर्मा, एमडीएनआईवाई के सहायक प्रोफेसर (मानव शरीर विज्ञान) डॉ. रामेश्वर पाल और एमडीएनआईवाई के पूर्व विद्यार्थियों-- लेंसी और तन्वांगी ने मिलकर किया था।

शोधकर्ताओं ने योग के 30 स्वस्थ अंत:स्नातक और स्नातोकोत्तर विद्यार्थियों का आकलन किया, जिन्होंने पांच मिनट तक शांति मंत्र या महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया। मंत्र जाप से पहले, जाप के दौरान और जाप के बाद पांच मिनट के आराम के समय में शारीरिक मापदंडों को मापा गया। शर्मा ने कहा, हमारे अध्ययन से पता चलता है कि शांति मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र का कुछ मिनट तक जाप करने के बाद, खासकर जाप के बाद थोड़ी देर आराम करने पर, शरीर में बदलाव देखे जा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि ये नतीजे योग पर आधारित कल्याण पद्धतियों में मंत्र जाप को शामिल करने का समर्थन करते हैं तथा अलग-अलग तरह के लोगों पर इसके लंबे समय तक रहने वाले असर की जांच के लिए और शोध की ज़रूरत बताते हैं। पाल ने बताया कि मंत्रों के जाप के बाद हार्ट रेट, ब्लड प्रेशर, रेट प्रेशर प्रोडक्ट और डबल प्रोडक्ट में कमी, तुरंत आराम मिलने और दिल पर काम का बोझ कम होने का संकेत देती है। हालांकि, शोधार्थियों ने चेतावनी दी कि इस अध्ययन में स्वस्थ युवा योग छात्र शामिल थे और इसमें सिर्फ़ मंत्रोच्चार के तुरंत होने वाले असर की जांच की गई। उन्होंने क्लिनिकल आधार पर मंत्रोच्चार की संभावित चिकित्सीय भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए ज़्यादा विविध आबादी और लंबे समय तक चलने वाले अभ्यास के साथ और बड़े अध्ययन की सलाह दी।

पृथ्वीराज सुकुमारन की 'आई, नोबडी' का टीजर रिलीज

चेन्नई/एजेन्सी

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म 'आई, नोबडी' का रिलीज टीजर जारी कर दिया गया है। फिल्म का टीजर एक्शन, सस्पेंस और दमदार संवादों से भरपूर है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का रिलीज टीजर साझा करते हुए लिखा, जो आने वाला है, उसके लिए कोई तैयार नहीं है। रिलीज टीजर अब आउट हो चुका है। अपने टिकट अभी बुक करें। 9 जुलाई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में। टीजर की शुरुआत एक वॉयसओवर से होती है, जिसमें राजीवन नाम के किरदार को 'फूड चेन' का उदाहरण देकर समाज की वास्तविकता समझाई जाती है। संवाद में कहा जाता है कि टिड्डा घास खाता है, उसे मेंढक खा जाता है, मेंढक को सांप और सांप को चील। लेकिन समाज में जीवित रहने के लिए सिर्फ घास खाना काफी नहीं, बल्कि टिड्डे को मेंढक को भी खाना सीखना होगा। आखिर में कहा जाता है कि यह फैसला आपको करना होगा कि आपको किसका सिर निगलना है।

इस वॉयसओवर के साथ फिल्म के कई तेज-तर्रार एक्शन दृश्य दिखाए गए हैं। टीजर के अंत में पुलिस पृथ्वीराज के दरवाजे पर पहुंचती है और उनसे पूछती है कि वह उनके फोन कॉल क्यों नहीं उठा रहे थे। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है। यह फिल्म 9 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का शुभारंभ पिछले वर्ष अप्रैल में केरल के एर्नाकुलम स्थित वेलिंगटन आइलैंड में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ था। निर्देशक निसाम बशीर की इस फिल्म की कहानी और पटकथा समीर अब्दुल ने लिखी है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ पार्वती तिरुवोथु और हकीम शहजहान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण सुप्रिया मेनन, मुकेश मेहता और सी. वी. सारथी ने पृथ्वीराज प्रोडक्शंस और ई4 एक्सपेरिमेंट्स के बैनर तले किया है।निर्माताओं के करीबी सूत्रों के अनुसार, 'आई, नोबडी' एक ऐसी सिनेमाई प्रस्तुति होगी, जिसमें रोमांच, भावनाएं और दमदार अभिनय का शानदार मेल देखने को मिलेगा। फिल्म को लेकर दर्शकों में खास उत्साह इसलिए भी है क्योंकि यह पृथ्वीराज सुकुमारन की हालिया सफल फिल्म 'एम्पुरान' के बाद रिलीज होने वाली अगली फिल्म है। इसके अलावा फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है, जिन्होंने सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' के लिए भी संगीत दिया था। फिल्म में अशोकन, मधुपाल, लुकमान अवरन, गणपति और विनय फोर्ट भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। वहीं, फिल्म की सिनेमैटोग्राफी दिनेश पुरुषोत्तमन ने की है, कॉस्ट्यूम डिजाइन धान्या बालकृष्णन ने तैयार किए हैं और मेकअप की जिम्मेदारी रॉनेक्स जेवियर ने संभाली है।

इंस्टाग्राम और डेटिंग ऐप्स से नहीं मिलेगी मंजिल : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने मॉडर्न डेटिंग पर अपनी राय साझा की है। बुधवार को कंगना ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने युवाओं को सलाह दी। उन्होंने लिखा, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम, डेटिंग ऐप्स, बेंचिंग, घोस्टिंग, डबल/ट्रिपल डिजिट बॉडी काउंट्स, क्रम्बिंग, सीइंग, टेस्टिंग, फिल्टर्स, स्टोरीज, ड्रग्स, क्लब्स और बहुत कुछ हैं, लेकिन फिर भी यह काफी नहीं है। किसी लक्ष्य या उद्देश्य के बिना पैशन कई तरह की बेतरतीब और सेल्फ-डिस्ट्रक्टिव एक्सप्रेशन्स का रूप ले सकता है। इसलिए जुनून होना जरूरी है, लेकिन वह आपके करियर या किसी हुनर के प्रति होना चाहिए। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि अपनी ऊर्जा को रचनात्मक दिशा में लगाएं।उन्होंने लिखा, खुले दिमाग से सोचें, लेकिन जीवन को रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) तरीके से जिएं। इससे आप बोरियत, नकारात्मकता, अवसाद और ऐसी कई दूसरी परेशानियों से बच सकते हैं।

आधुनिक डेटिंग का असर समाज में विवाह संबंधों की प्रकृति पर भी पड़ा है, जिससे वैवाहिक मामलों से जुड़े अपराधों में वृद्धि देखी जा रही है।इससे पहले कंगना ने स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'लॉकअप'

के नए सीजन में जेलर की भूमिका निभा रहे फराह खान और रितेश देशमुख के साथ हिस्सा लिया था।फराह और रितेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि दोनों ने प्रतियोगियों के साथ व्यवहार करते समय पूरी निष्पक्षता दिखाई है। साथ ही, जब टास्क की बात आती है तो वे किसी भी तरह का समझौता नहीं करते। शो के पहले सीजन की होस्ट रह चुकी कंगना ने कहा, फराह और रितेश ने 'लॉक अप' को वही मजबूत नेतृत्व दिया है, जिसकी इसे जरूरत थी। वे निष्पक्ष, निडर और प्रतियोगियों को जिम्मेदारी का एहसास कराने के मामले में बिल्कुल समझौता न करने वाले रहे हैं। कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर मंडी सीट से जीता था।

फिटनेस को लेकर बदला शिल्पा मंजूनाथ का नजरिया

अयोध्या/एजेन्सी

तमिल और कन्नड़ सिनेमा में कई यादगार परफॉर्मेंस देने वाली एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ ने बताया है कि फिटनेस को लेकर उनका नजरिया बदल गया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वर्कआउट करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, हाल ही में फिटनेस को लेकर मेरा नजरिया बदला है। एक समय था जब मैं हफ्ते के सातों दिन जिम जाती थी। अब मैं ऐसे दौर में हूं, जहां मैं एक्सपेरिमेंट करना चाहती हूं, मजे करना चाहती हूं और फिट रहते हुए इस सफर का आनंद लेना चाहती हूं। उन्होंने आगे बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब अब सिर्फ वजन उठाना या वजन मशीन पर कोई नंबर देखना नहीं है। इसका मतलब है अपने शरीर को अलग-अलग तरीकों से मूव करना, नई चीजें आजमाना और एक्टिव रहने में खुशी ढूंढना है।एक्ट्रेस ने कहा, इसके बावजूद वेट ट्रेनिंग और योग अभी मेरी नींव हैं। वे मुझे मजबूत, जमीन से जुड़ा और संतुलित रखते हैं, जबकि मैं बाकी चीजें भी एक्सप्लोर करती रहती हूं। फिटनेस को आपके साथ बदलना चाहिए और अभी मुझे यह रूप सबसे ज्यादा खुशी देने वाला लगता है। सिर्फ एक हफ्ते पहले एक्ट्रेस ने अपनी ट्रेनर का शुक्रिया अदा करते हुए एक पोस्ट किया था, जिन्होंने उन्हें हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया।पोस्ट में शिल्पा ने कहा था, मजबूत रहो। व्यस्त रहो। मजबूत महिलाएं सिर्फ शरीर नहीं बनातीं, वे अनुशासन, आत्मविश्वास और मुश्किलों से उबरने की क्षमता भी बनाती हैं। मेरी ट्रेनर का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया। एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ जल्द ही डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' में नजर आएंगी, जिसमें कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म इस साल 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है। फिल्म यूनिट से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि फिल्म दो वकीलों के इर्द-गिर्द घूमती है। जिनका किरदार कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन ने निभाया है। सूत्रों का कहना है कि मिश्किन फिल्म में कीर्ति के सीनियर एडवोकेट का रोल निभा रहे हैं।मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, जब उनके बॉस एक खास केस में गलत काम करने वालों का पक्ष लेने का फैसला करते हैं तो कीर्ति उन्हें सही बात समझाने की कोशिश करती हैं।

रंजीत ने साझा किया प्रेम चोपड़ा से जुड़ा दिलचस्प किस्सा, बोले-'ठाकुर' कहकर बुलाता था

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री के अनुभवी अभिनेता रंजीत ने स्क्रीन के दिग्गज कलाकार प्रेम चोपड़ा से दोबारा मिलकर पुरानी यादें ताजा कीं। 70 के दशक के लोकप्रिय खलनायक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम से खुलासा किया कि उन्होंने प्रतिष्ठित अभिनेता को हमेशा 'ठाकुर' कहकर संबोधित किया है और उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया है जो 'खुद पर चुटकुले बनाना पसंद करता है। प्रेम चोपड़ा के आवास मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए रंजीत ने दशकों से चली आ रही अपनी दोस्ती को याद करते हुए एक हार्दिक नोट लिखा। उन्होंने लिखा, ठाकुर प्रेम चोपड़ा के साथ पुरानी यादें साझा करते हुए, मैं हमेशा उन्हें इसी तरह संबोधित करता हूं। उनके घर गया और बहुत अच्छा समय बिताया। वह वास्तव में एक प्यारे इंसान हैं और उन्हें खुद पर चुटकुले सुनाना भी पसंद है।

तस्वीर में दोनों दिग्गज कलाकार प्रेम चोपड़ा के लिविंग रूम के अंदर सोफे पर एक साथ बैठे हुए हैं, जिसमें चोपड़ा अपने दोस्त रंजीत का हाथ स्नेह से पकड़े हुए दिख रहे हैं।1970 और 1980 के दशक में बॉलीवुड के सुनहरे युग के दौरान, रंजीत और प्रेम चोपड़ा यादगार नकारात्मक किरदारों का पर्याय बन गए।जहां प्रेम चोपड़ा ने 1960 के दशक में 'शहीद', 'उपकार', 'दो रास्ते', 'कटी पतंग' और 'बॉबी' जैसी फिल्मों के साथ खुद को इंडस्ट्री के सबसे खतरनाक खलनायकों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया था। वहीं, रंजीत

1970 के दशक की शुरुआत में 'शर्मीली', 'लावारिस', 'नमक हलाल', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'रॉकी' और कई अन्य फिल्मों में यादगार अभिनय के साथ एक भयानक खलनायक के रूप में प्रसिद्ध हो गए। ।

'बॉबी' से प्रेम चोपड़ा का ट्रेडमार्क संवाद, प्रेम नाम है मेरा... प्रेम चोपड़ा, बॉलीवुड इतिहास में सबसे प्रतिष्ठित खलनायक परिचय में से एक है। दोनों अभिनेताओं ने मिलकर पर्दे पर विलेन की परिभाषा को नए सिरे से गढ़ा। अपने प्रशंसकों को भयभीत और अक्सर अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, जीतेंद्र, विनोद खन्ना और शशि कपूर सहित दिग्गज सितारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया।

प्रेम चोपड़ा वर्तमान में 90 वर्ष के हैं, जिन्होंने अपने छह दशक से अधिक लंबे करियर में 380 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है जबकि 83 वर्षीय रंजीत फिल्मों, टेलीविजन और सार्वजनिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सक्रिय बने हुए हैं। बता दें कि पिछले वर्ष सीने में जकड़न और उम्र से संबंधित स्वास्थ्य जटिलताओं के कारण मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती होने के बाद प्रेम चोपड़ा ने प्रशंसकों के बीच चिंता पैदा कर दी थी। बाद में उनका इलाज हुआ और छुट्टी मिलने से पहले वह सफलतापूर्वक ठीक हो गए।

क्वीन्स ऑफ दि कोर्ट बैडमिंटन टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने गुरुवार को क्वींस ऑफ दि कोर्ट बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस टूर्नामेंट में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण कार्यों के अलावा महिलाओं के समग्र विकास में स्वास्थ्य, फिटनेस और आपसी मित्रता के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उन्होंने छह टीमों, अल्फा जीन्स, कोर्ट क्वीन्स, डायमंड दिवाज़, राइजिंग स्टार्स, रॉयल रैकेट्स एवं शौर्य टीम का परिचय दिया। साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।केकेजी संयोजिका पिंकी जैन, आत्मनिर्भर पहल की अपेक्स संयोजिका बिंदु रायसोनी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।प्रतियोगिता के लीग चरण में प्रत्येक टीम अन्य पाँचों टीमों से मुकाबला करेगी, जिससे कुल 30 टीम मुकाबले होंगे। प्रत्येक मुकाबले में चार डबल्स और दो सिंगल्स मैच खेले जाएँगे तथा प्रत्येक मैच 15 अंकों का होगा। इस प्रकार लीग चरण में कुल 90 मैच आयोजित किए जाएँगे। शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान की टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीम फाइनल में शीर्ष टीम से मुकाबला करेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

योग प्रतियोगिता-2026

शहर के सिद्धार्थनगर स्थित श्री महावीर जैन विद्यालय के विद्यार्थियों ने क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग प्रतियोगिता-2026 में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि भूवेन्द्र इंग्लिश मीडियम स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। महावीर विद्यालय के प्रबंधन ने शरीरिक शिक्षा शिक्षक सिद्धराजू व मेघना सहित सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी तथा उनकी उपलब्धि को सराहा ।

चीन में जूता कारखाने में आग लगने से 28 लोगों की मौत

बीजिंग/भाषा। चीन के जिनजियांग शहर में बृहस्पतिवार को जूतों के कारखाने में भीषण आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना के वीडियो में इमारत और उसके आसपास की आग की लपटें उठती हुई दिख रही हैं।

आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने आग लगने के बाद बचाव और राहत कार्यों का मार्गदर्शन करने के लिए संयुक्त कार्य दल पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के जिनजियांग शहर भेज दिए हैं। मंत्रालय ने बताया कि आग दोपहर करीब 12 बजे लगी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को तलाश और बचाव अभियानों में हरसंभव प्रयास करने, घटना का कारण पता लगाने और जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।

मुलाकात

हांगकांग और मकाऊ में भारत के महावाणिज्यदूत राजेश एन. नाइक ने बेंगलूरु में गुरुवार को लोक भवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

विफा विशाखापट्टनम चैप्टर के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापट्टनम। विप्र समाज के वैश्विक संगठन विप्र फाउंडेशन के विशाखापट्टनम चैप्टर की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह द रॉयल पैलेस होटल में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि ललित बोहरा (आईआरटीएस) थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रीजनल महामंत्री भगवान व्यास, जोन प्रेसिडेंट गोपाल शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट नंदकुमार शर्मा, जोन सेक्रेटरी कमल किशोर तिवारी तथा राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल अध्यक्ष निरंजन सोमानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि एवं पूजन के साथ हुआ।स्वागत भाषण देते हुए जोन प्रेसिडेंट गोपाल शर्मा ने संगठन की रीति-नीतियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी से एकजुट होकर विप्र समाज के हित में कार्य करने और संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

इसके पश्चात रीजनल महामंत्री भगवान व्यास ने राजकुमार शर्मा को विप्र फाउंडेशन विशाखापट्टनम चैप्टर के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं पारदर्शिता के साथ संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे तथा सभी सदस्यों को साथ लेकर समाजहित में कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

भगवान व्यास ने नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियो उपाध्यक्षद्वय सुशील शर्मा एवं जोगाराम पुरोहित, महामन्त्री खेतसिंह राजपुरोहित, (डिजिटली), संयुक्त सचिव विनय शर्मा, संयुक्त सचिव रमेश कुमार कौशिक, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा सह-कोषाध्यक्ष हरिओम शर्मा एवं कार्यकारिणी सदस्य दीपक वशिष्ठ, विजय कुमार शर्मा, अजय कुमार शर्मा, परबत सिंह राजपुरोहित, संजीव शर्मा , अतुल शर्मा, तरुण शर्मा को शपथ दिलाई।

जोन प्रेसिडेंट गोपाल शर्मा ने विप्र ध्वज नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी को समर्पित करते हुए संगठन के प्रति समर्पण एवं सेवा का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि ललित बोहरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में ब्राह्मण समाज को अपने संस्कारों, संस्कृति एवं सामाजिक दायित्वों के संरक्षण के लिए संगठित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, शिक्षा एवं संस्कार आधारित कार्यक्रम पहुँचाने पर बल दिया।कार्यक्रम में राजस्थानी विप्र वेलफेयर संघ के अध्यक्ष ललित गौड़, विष्णु सेवा ट्रस्ट के महामन्त्री किशन राजपुरोहित, लायन्स क्लब इंटरनेशनल विशाखापत्तनम के अध्यक्ष सुशील शेखानी, भगवान महावीर इंटरनेशनल वाइस चेयरमैन अमर जैन, जीते सेक्रेट्री निकेश जैन के अलावा अग्रवाल एवं माहेश्वरी समाज, गायत्री परिवार विशाखापत्तनम अरुण कुमार और जैन समाज के गणमान्य व्यक्तियों सहित बड़ी संख्या में विप्र समाज के गणमान्य व्यक्ति, पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। जोन सेक्रेटरी श्री कमल किशोर तिवारी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

आचार्यश्री विमलसागरसूरी के वर्षावास में होंगे अनेकविध आयोजन, तैयारियां पूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद्। शहर के फीलखाना के महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के अध्यक्ष और कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति के मुख्य संयोजक मोहनलाल बागरेचा ने बताया कि करीब 16 वर्षों के अनुरोध और लंबे इंतजार के बाद इस बार हैदराबाद में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी महाराज का चातुर्मास होने जा रहा है। उनके साथ गणिवर्य पद्मविमलसागरजी, तीर्थविमलसागरजी, वीरविमलसागरजी, पुण्यविमलसागरजी एवं तीर्थविमलसागरजी वर्षावास का सान्निध्य देने हैदराबाद आए हैं। 16 जुलाई को प्रातः फीलखाना के महावीरस्वामी जिनालय से उनके वर्षावास प्रवेश की स्वागत यात्रा प्रारंभ होगी, जो प्रदर्शनी ग्राउंड जाकर धर्मसभा के रूप में परिवर्तित हो जाएगी।इस समारोह में सम्मिलित होने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से दो हजार से अधिक श्रद्धालु हैदराबाद आ रहे हैं। सैकड़ों श्रद्धालु तन, मन, धन से उनके चातुर्मास की तैयारियों में जुटे हैं। फीलखाना स्थित महावीर भवन में जैनाचार्य अपने शिष्य-प्रशिष्यों के साथ निवास करेंगे। वर्षावास में हर रविवार युवा वर्ग के जीवन उत्कर्ष के लिए यूथ सेमिनार आयोजित होंगी। इस बार चार माह तक प्रदर्शनी ग्राउंड के जगत् गुरु हीरसूरी वाटिका में वचनों की ज्ञानगंगा बहेगी।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के परिवार की मौत के मामले में जांच शुरू

लंदन/भाषा। दक्षिण लंदन में एक ऊंची इमारत से गिरकर भारतीय मूल के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत के मामले की जांच इस सप्ताह शुरू हो गई। संदिग्ध आत्महत्या के मामले में जान गंवाने वालों में 46 साल की अदिति विजय पारलकर, 47 साल के राकेश नारायण पाई और उनका नौ वर्षीय बेटा सिड रेने पाई-पारलकर शामिल हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस इस घटना की जांच कर रही है। ब्रिटेन की राजधानी के एलिफेंट एंड कैसल क्षेत्र में एक रिहायशी टावर की 36वीं मंज़िल से परिवार के गिरने की घटना 27 मई को हुई थी।

लंदन इनर साउथ कोरोनर अदालत की सहायक कोरोनर मिशेल हेस्ट ने कहा, ''मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि पुलिस को इन दुखद मौतों की जांच जारी रखने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।'

राष्ट्रीय महिला समिति की अध्यक्ष ने 'एफटीएस मेला 4.0' के पोस्टर का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु प्रवास पर आई वनबंधु परिषद महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता जाजू के सम्मान में 'कुछ पल-विनीता के संग' का आयोजन एक होटल में किया गया। राष्ट्रीय महिला सचिव रेनू कानोड़िया, पूर्व अध्यक्ष बबीता अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही। समिति की अध्यक्ष कांता काबरा ने स्वागत किया। प्रदर्शनी प्रभारी विजयलक्ष्मी सारड़ा ने एफटीएस मेले के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिला समिति की सदस्याओं ने विनीता जाजू व रेनु कानोड़िया का सम्मान किया।

इस मौके पर विनीता जाजू ने एफटीएस संगठन को भारत का गौरव बताते हुए उसमें महिलाओं की सक्रिय भूमिका, देश सेवा, नेतृत्व और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों द्वारा 1 अगस्त को आयोजित होने वाले 'एफटीएस मेला 4.0' के आधिकारिक पोस्टर का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अनीता जैन ने किया। अंत में सरोज डागा ने धन्यवाद दिया।

जीतो नॉर्थ चैप्टर के नए कार्यालय का उद्घाटन 12 को, तैयारियां जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ के गांधीनगर में बने नए कार्यालय का उद्घाटन 12 जुलाई को होगा जिसकी तैयारियों को लेकर नए कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत करते हुए सभी सदस्यों को नए कार्यालय की शुभकामनाएं दी।

लाभार्थियों का सम्मान समारोह शनिवार को होटल फर्न में होगा। उद्घाटन के अवसर पर जीतो अपेक्स से वरिष्ठ पदाधिकारियों के आने की संभावना है। इस मौके पर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की बैठक भी रखी गई है। नूतन ऑफिस के संयोजक रमेश बोहरा ने बताया कि नए कार्यालय के रूप में एक सपना पूरा हुआ है। सहसंयोजक दिनेश बाफना ने कार्यालय के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रमोद भंडारी भी उपस्थित थे। बैठक का संचालन मंत्री प्रीतेश जैन एवं मदन मुणोत ने किया।

बेलगावी जिले को कैबिनेट में ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए : लक्ष्मी हेब्बालकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक कांग्रेस की वरिष्ठ नेता लक्ष्मी हेब्बालकर ने गुरुवार को भरोसा जताया कि बेलगावी जिले को राज्य कैबिनेट में दो और सीटें मिलेंगी। उन्होंने इसके लिए जिले के आकार और कांग्रेस पार्टी के शानदार चुनावी प्रदर्शन का हवाला दिया। बेलागवी में मीडिया से बात करते हुए हेब्बालकर ने कहा कि कर्नाटक के सबसे बड़े जिलों में से एक होने के नाते, इस जिले को कैबिनेट में ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बेलागवी जिले से कांग्रेस के 11 विधायक चुने गए थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कैबिनेट में शामिल किए जाने की उम्मीद है, तो हेब्बालकर ने सीधे तौर पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया और मीडिया से कहा कि वे यह सवाल मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से पूछें, जिन्हें उनका राजनीतिक गुरु माना जाता है।पिछली राज्य सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री के तौर पर 'गृह लक्ष्मी' योजना की देखरेख करने वाली हेब्बालकर ने कहा कि इस योजना का मकसद महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना था और इसे काफी सराहा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और एनडीए द्वारा इस योजना की आलोचना करने और 5,000 करोड़ के दुरुपयोग का आरोप लगाने के बावजूद केंद्रीय एजेंसियों ने महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम की तारीफ की है। उन्होंने आगे दावा किया कि कर्नाटक मॉडल ने देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह की कल्याणकारी योजनाओं को प्रेरित किया है और विपक्ष पर एक सफल कार्यक्रम को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

इस बीच, मुख्यमंत्री शिवकुमार, उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर और कैबिनेट के कई सहयोगी गुरुवार सुबह बेलागवी पहुंचे। शिवकुमार एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे और पड़ोसी महाराष्ट्र व पश्चिमी घाट में लगातार बारिश के बाद बेलागवी क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का जायज़ा लेंगे।

विरोध प्रदर्शन

कर्नाटक राज्य प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज लेक्चरर्स एसोसिएशन के सदस्य गुरुवार को बेंगलूरु में विरोध प्रदर्शन करते हुए। इनकी मांग है कि एडेड प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों के लेक्चरर्स के सेवा दायरे को बढ़ाकर कक्षा 9 और 10 को पढ़ाने के प्रस्ताव को पूरी तरह से वापस लिया जाए।

रवानगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव सम्पन्न कर कथा वाचिका राजनंदिनीजी ने गुरुवार को अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार, बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह सहित संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने उनका सम्मान कर उन्हें विदाई दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**